# पाठ 16 - पानी की कहानी

लेखक :- रामचंद्र तिवारी

**शब्दार्थ**

1) स्वर - आवाज़
2) प्रयत्न – कोशिश
3) मास – महीना
4) निपट – बिलकुल
5) तह – परत
6) प्रहार – चोट
7) शिखर – चोटी
8) न्योता – बुलावा

**प्रश्नोत्तर**

**प्रश्न 1. लेखक को ओस की बूँद कहाँ मिली ?**

उत्तर:- लेखक को बेर की झाड़ी पर ओस की बूँद मिली।

**प्रश्न 2. ओस की बूँद क्रोध और घृणा से क्यों काँप उठी ?**

उत्तर:- पेड़ों की जड़ों में निकले रोएँ द्वारा जल की बूँदों को बलपूर्वक धरती के भूगर्भ से खींच लाना व उनको खा जाना याद करते ही बूँद क्रोध व घृणा से काँप उठी।

**प्रश्न 3. हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को पानी ने अपना पूर्वज/पुरखा क्यों कहा ?**

उत्तर:- जब ब्रह्मांड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का उद्भव भी नहीं हुआ था तब ब्रह्मांड में हाइड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं। ऑक्सीजन व हाइड्रोजन के बीच रासायनिक क्रिया हुई। दोनों के संयोग से पानी का जन्म हुआ। इसलिए बूँद ने इन दोनों को अपना पूर्वज कहा है।

**प्रश्न 4. "पानी की कहानी" के आधार पर पानी के जन्म और जीवन-यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

उत्तर:- पानी का जन्म (हद्रजन) हाइड्रोजन व (ओषजन) ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रक्रिया द्वारा होता है। जब ब्रह्मांड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का उद्भव भी नहीं हुआ था तब ब्रह्मांड में हाइड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं। किसी उल्कापिंड के सूर्य से टकराने से सूर्य के टुकड़े-टुकड़े हो गए उन्हीं टुकड़ों में से एक टुकड़ा पृथ्वी रूप में उत्पन्न हुआ और इसी ग्रह में ऑक्सीजन व हाइड्रोजन के बीच रासायनिक क्रिया हुई और दोनों के संयोग से पानी का जन्म हुआ।

सर्वप्रथम बूँद भाप के रूप में पृथ्वी के वातावरण में इर्द - गिर्द घूमती रहती है , तत्पश्चात् ठोस बर्फ के रूप में विद्यमान हो जाती है । समुद्र से होती हुई वह गर्म-धारा से मिलकर ठोस रूप को त्यागकर जल का रूप धारण कर लेती है ।

**प्रश्न 5. कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को स्वयं पढ़कर देखिए और बताइए कि ओस की बूँद लेखक को आपबीती सुनाते हुए किसकी प्रतीक्षा कर रही थी ?**

उत्तर:- कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को पढ़कर यह पता चलता है कि ओस की बूँद सूर्य उदय की प्रतीक्षा कर रही थी।

**प्रश्न 6. समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठंड और अधिक गरमी क्यों नहीं पड़ती ?**

उत्तर:- समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठंड और अधिक गरमी नहीं पड़ती क्योंकि वहाँ के वातावरण में सदा नमी होती है।

**प्रश्न 7. पेड़ के भीतर फव्वारा नहीं होता तब पेड़ की जड़ों से पत्ते तक पानी कैसे पहुँचता है ? इस क्रिया को वनस्पति शास्त्र में क्या कहते हैं ?**

उत्तर:- पेड़ के भीतर फव्वारा नहीं होता तब पेड़ की जड़ों से पत्ते तक पानी पहुँचता है क्योंकि पेड़ की जड़ों व तनों में जाइलम और फ्लोएम नामक वाहिकाएँ होती हैं जो पानी जड़ों से पत्तियों तक पहुँचाती हैं। इस क्रिया को वनस्पति शास्त्र में 'संवहन' (ट्रांसपाईरेशन) कहते हैं।

.....

## समास

**परिभाषा :** दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर संक्षिप्त करने की प्रक्रिया को समास कहते हैं |

समास के चार भेद हैं :-

1) अव्ययीभाव समास

2) तत्पुरुष समास

3) द्वंद्व समास

4) बहुव्रीहि समास

**1) अव्ययीभाव समास के उदहारण-**

| **समस्तपद** | **समास – विग्रह** |
|---|---|
| आमरण | मरने तक |

| | |
|---|---|
| आजन्म | जन्म से लेकर |
| यथाविधि | विधि के अनुसार |
| भरपेट | पेट भर कर |

**2) तत्पुरुष समास**

| **समस्तपद** | **समास – विग्रह** |
|---|---|
| मनमाना | मन से माना हुआ |
| गौशाला | गौओं के लिए शाला |
| भयभीत | भय से भीत |
| जलधारा | जल की धारा |
| दानवीर | दान में वीर |

तत्पुरुष समास के दो उपभेद होते हैं -

**(i) कर्मधारय समास -**

| **समस्तपद** | **समास – विग्रह** |
|---|---|
| भलामानुष | भला है जो मानस |
| नीलगगन | नीला है जो गगन |
| अधपका | आधा है जो पका |
| देहलता | देह रूपी लता |
| चरणकमल | कमल के समान चरण |

**(ii) द्विगु समास -**

| समस्तपद | समास – विग्रह |
|---|---|
| दोपहर | दो पहरों का समूह |
| चारपाई | चार पैरों का समूह |
| सतसई | सात सौ दोहों का समूह |
| चौमासा | चार मासों का समूह |

**3) द्वंद्व समास -**

| समस्तपद | समास – विग्रह |
|---|---|
| जल – थल | जल और थल |
| अमीर-गरीब | अमीर और गरीब |
| भाई – बहन | भाई और बहन |
| लाभ – हानि | लाभ या हानि |

**4) बहुव्रीहि समास -**

| समस्तपद | समास – विग्रह |
|---|---|
| गजानंद | गज के समान आनन वाला अर्थात गणेश |
| महावीर | महान वीर है जो अर्थात हनुमान |
| प्रधानमंत्री | मंत्रियों में प्रधान है जो |
| गिरिधर | गिरी को धारण करने वाला अर्थात कृष्ण |
| नीलकंठ | नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव |

**अभ्यास कार्य**

प्रश्न 1 और 2 नोटबुक में करवाया जाएगा |

.....

# पाठ 17 - बाज और साँप

लेखक :- निर्मल वर्मा

**शब्दार्थ**

1) सीलन - नमी
2) वियोग – अलगाव
3) लकीर – रेखा
4) कसर – कमी
5) चैन – आराम
6) बिखरा – फैला
7) निडर – न डरनेवाला
8) गर्व – बड़प्पन का भाव

**प्रश्नोत्तर :**

**प्रश्न 1. घायल होने के बाद भी बाज ने यह क्यों कहा, "मुझे कोई शिकायत नहीं है।" विचार प्रकट कीजिए ।**

उत्तर:- घायल होने के बाद भी बाज ने यह कहा कि – "मुझे कोई शिकायत नहीं है।" उसने ऐसा कहा क्योंकि वह किसी भी कीमत पर समझौतावादी जीवन शैली पसंद नहीं करता था । वह अपने अधिकारों के लिए लड़ने में विश्वास रखता था । उसने अपनी ज़िंदगी को भरपूर भोगा । वह असीम आकाश में जी भरकर उड़ान भर चुका था । जब तक उसके शरीर में ताकत रही तब तक ऐसा कोई सुख नहीं बचा जिसे उसने न भोगा हो। वह अपने जीवन से पूर्णतः संतुष्ट था।

**प्रश्न 2. बाज ज़िंदगी भर आकाश में ही उड़ता रहा फिर घायल होने के बाद भी वह उड़ना क्यों चाहता था ?**

उत्तर:- बाज ज़िंदगी भर आकाश में उड़ता रहा, उसने आकाश की असीम ऊँचाइयों को अपने पंखों से नापा। बाज साहसी था। वह किसी भी कीमत पर समझौतावादी जीवन शैली पसंद नहीं करता था। अतः कायर की मौत नहीं मरना चाहता था। वह अंतिम क्षण तक जीवन की आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करना चाहता था।

**प्रश्न 3. साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था। फिर उसने उड़ने की कोशिश क्यों की ?**

उत्तर:- साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था क्योंकि वह मानता था कि वह उड़ने में सक्षम नहीं है। पर जब उसने बाज के मन में आकाश में उड़ने के लिए तड़प देखी तब साँप के मन में भी उत्सुकता जागी कि आकाश का मुक्त जीवन कैसा होता है ? इस रहस्य का पता लगाना ही चाहिए। तब उसने भी आकाश में एक बार उड़ने की कोशिश करने का निश्चय किया।

**प्रश्न 4. बाज के लिए लहरों ने गीत क्यों गाया था ?**

उत्तर:- बाज की बहादुरी पर प्रसन्न होकर लहरों ने गीत गाया था। उसने अपने प्राण गँवा दिए परन्तु ज़िंदगी के खतरे का सामना करने से पीछे नहीं हटा।

**प्रश्न 5. घायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ होगा ?**

उत्तर:- साँप का शत्रु बाज है चूँकि वो उसका आहार होता है। घायल बाज उसे किसी प्रकार का आघात नहीं पहुँचा सकता था इसलिए घायल बाज को देखकर साँप के लिए खुश होना स्वाभाविक था।

**प्रश्न 6. कहानी में से वे पंक्तियाँ चुनकर लिखिए जिनसे स्वतंत्रता की प्रेरणा मिलती हो ।**

उत्तर:- कहानी की स्वतंत्रता से संबंधित पंक्तियाँ –

1. जब तक शरीर में ताकत रही, कोई सुख ऐसा नहीं बचा जिसे न भोगा हो। दूर-दूर तक उडानें भरी हैं, आकाश की असीम ऊँचाइयों को अपने पंखों से नाप आया हूँ ।
2. “आह! काश, मैं सिर्फ एक बार आकाश में उड़ पाता ।”
3. पर वह समय दूर नहीं है, जब तुम्हारे खून की एक-एक बूँद जिंदगी के अँधेरे में प्रकाश फैलाएगी और साहसी, बहादुर दिलों में स्वतंत्रता और प्रकाश के लिए प्रेम पैदा करेगी ।

**प्रश्न 7. मानव ने भी हमेशा पक्षियों की तरह उड़ने की इच्छा की है । आज मनुष्य उड़ने की इच्छा किन साधनों से पूरी करता है ।**

उत्तर:- मानव ने आदिकाल से ही पक्षियों की तरह उड़ने की इच्छा मन में रखी है। किन्तु शारीरिक असमर्थता की वजह से उड़ नहीं पा रहा था जिसका परिणाम यह हुआ कि मनुष्य ने हवाई जहाज का आविष्कार कर दिखाया। आज मनुष्य अपने उड़ने की इच्छा की पूर्ति हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, गैस-बैलून आदि से करता हैं |

.....

## पर्यायवाची शब्द

**द्वितीय सत्र 51 से 100 ( पृष्ठ संख्या 40 )**

**52 , 54 , 57 , 62 , 64 , 67 , 69 , 71 , 73 , 74 , 76, 78 , 79 , 82 , 85 , 88 ,**

**91 , 94 , 97 , 100**

.....

## अनेकार्थक शब्द

**द्वितीय सत्र 41 से 82 (पृष्ठ संख्या 44 )**

**43 , 45 , 47 , 50 , 52 , 53 , 57 , 60 , 62 , 64 , 66, 68 , 70 , 72 , 74 , 77**

**77 , 79 , 80 , 81**

.....

## पाठ 18 - टोपी

**लेखक :-** सृंजय

शब्दार्थ :

1) फबता - सुंदर
2) खाक – राख , मिट्टी
3) काया – शरीर
4) रंगत – रूप
5) सकत – ताकत
6) चूक – गलती
7) घूरे – कूड़े का ढेर
8) फाहा – रुई का टुकड़ा

**प्रश्नोत्तर :**

**प्रश्न 1. गवरइया और गवरा के बीच किस बात पर बहस हुई और गवरइया को अपनी इच्छा पूरी करने का अवसर कैसे मिला ?**

उत्तर:- गवरइया और गवरा के बीच आदमी के वस्त्र पहनने को लेकर बहस हुई। गवरइया वस्त्र पहनने के पक्ष में थी तथा गवरा विपक्ष में था। गवरइया को आदमी द्वारा रंग-बिरंगे कपड़े पहनना अच्छा लग रहा था जबकि गवरा का कहना था कि कपड़ा पहन लेने के बाद आदमी और बदसूरत लगने लगता है। कपड़े पहन लेने के बाद आदमी की कुदरती ख़ूबसूरती ढँक जाती है। उसी बहस के दौरान गवरइया ने अपनी टोपी पहनने की इच्छा को व्यक्त किया। उसकी इच्छा तब पूरी हुई जब एक दिन घूरे पर चुगते-चुगते उसे रुई का एक फाहा मिल गया।

**प्रश्न 2. टोपी बनवाने के लिए गवरइया किस-किस के पास गई ? टोपी बनने तक के एक-एक कार्य को लिखें ।**

उत्तर:- टोपी बनवाने के लिए गवरइया धुनिया, कोरी, बुनकर और दर्जी के पास गई । धुनिया के पास रुई धुनवा कर वह उसे लेकर कोरी के पास जा पहुँची । उसे कोरी से कतवा लिया । कते सूत को लेकर वह बुनकर के पास गई उससे बुनकर से कपड़ा बुनवाया । कपड़े को लेकर वह दर्जी के पास गई। उसने उस कपड़े से गवरइया की टोपी सिल दी ।

**प्रश्न 3. गवरइया की टोपी पर दर्जी ने पाँच फुँदने क्यों जड़ दिए ?**

उत्तर:- गवरइया की टोपी पर दर्जी ने पाँच फुँदने लगाए क्योंकि दर्जी को वाजिब मजदूरी मिली थी, जिससे वह खुश था। दर्जी राजा और उसके सेवकों के कपड़े सिलता था जो उसे बेगार करवाते थे। लेकिन गवरइया ने अपनी टोपी सिलवाने के बदले में दर्जी को मजदूरी स्वरूप आधा कपड़ा दिया।

**प्रश्न 4. गवरइया के स्वभाव से यह प्रमाणित होता है कि कार्य की सफलता के लिए उत्साह आवश्यक है। सफलता के लिए उत्साह की आवश्यकता क्यों पड़ती है,तर्क सहित लिखिए।**

उत्तर:- सफलता के लिए उत्साह आवश्यक है। कहा भी गया है कि मन के हारे हार है मन के जीते जीत। उत्साह से ही हमारे मन में किसी भी कार्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न होती है। यदि हम किसी भी कार्य को बेमन से करेंगे तो निश्चय ही हमें उस कार्य में पूर्णतया सफलता नहीं मिलेगी।

**प्रश्न 5. टोपी पहनकर गवरइया राजा को दिखाने क्यों पहुँची जबकि उसकी बहस गवरा से हुई और वह गवरा के मुँह से अपनी बड़ाई सुन चुकी थी। लेकिन राजा से उसकी कोई बहस हुई ही नहीं थी। फिर भी वह राजा को चुनौती देने को पहुँची। कारण का अनुमान लगाइए।**

उत्तर:- टोपी पहनकर गवरइया राजा को दिखाने पहुँची जबकि उसकी बहस गवरा से हुई और वह गवरा के मुँह से अपनी बड़ाई सुन चुकी थी। लेकिन राजा से उसकी कोई बहस हुई ही नहीं थी। फिर भी वह राजा को चुनौती देने को पहुँची क्योंकि गवरा ने बहस के दौरान कहा था कि टोपी मात्र राजा ही पहनता है। यह बात उसे अच्छी नहीं लगी थी।

**प्रश्न 6. यदि राजा के राज्य के सभी कारीगर अपने-अपने श्रम का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे होते तब गवरइया के साथ उन कारीगरों का व्यवहार कैसा होता?**

उत्तर:- यदि राजा के राज्य के सभी कारीगर अपने-अपने श्रम का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे होते तब गवरइया के साथ उन कारीगरों का व्यवहार सामान्य होता और सर्वप्रथम वे राजा का काम करते क्योंकि उनका काम ज्यादा था।

**प्रश्न 7. चारों कारीगर राजा के लिए काम कर रहे थे। एक रजाई बना रहा था । दूसरा अचकन के लिए सूत कात रहा था। तीसरा बागा बुन रहा था। चौथा राजा की सातवीं रानी की दसवीं संतान के लिए झब्बे सिल रहा था। उन चारों ने राजा का काम रोककर गवरइया का काम क्यों किया?**

उत्तर:- चारों ने राजा का काम रोककर गवरइया का काम किया क्योंकि उन लोगों को काम की वाजिब मजदूरी मिली थी, जिससे वे सब खुश थे।

.....

## अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

**द्वितीय सत्र 51 से 100 ( पृष्ठ संख्या 60 )**

**51 , 56 , 58 , 61 , 63 , 66 , 70 , 78 , 81 , 81 , 84, 86 , 88 , 90 , 93 , 95**

**97 , 65 , 67 , 100,**

## औपचारिक पत्र

**1. पेयजल की समस्या के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए |**

**अभ्यास हेतु -**

**2. बिजली आपूर्ति में कमी की शिकायत करते हुए बिजली विभाग के महाप्रबंधक को पत्र लिखिए |**

**3. चुनावी पोस्टरों से शहर की दीवारें गन्दी होने की शिकायत करते हुए समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |**

.....

## मुहावरे

**द्वितीय सत्र 32 से 63 पृष्ठ संख्या 218**

**परिभाषा :- जो वाक्यांश अपना सामान्य अर्थ न देकर विशेष अर्थ प्रकट करते हैं , उसे मुहावरा कहते हैं |**

**32 से 63 प्रथम सत्र**

1) जमीन- आसमान एक करना

2) जान के लाले पड़ना

3) तलवे चाटना

4) तिल का ताड़ बनाना

5) दाल में काला होना

6) नौ दो ग्यारह होना

7) पानी पानी होना

8) बाल की खाल निकालना

9) भीगी बिल्ली बनना

10) हवाई किल्ले बनाना

वाक्य में प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे |

……

## विलोम शब्द

**पृष्ठ संख्या 48**

मलिन – निर्मल

नवीन – प्राचीन

मूक – वाचाल

विमुख – सम्मुख

विशाल – सूक्ष्म

रहित – सहित

बर्बर – सभ्य

रचना– विनाश

शिष्ट – अशिष्ट

शुक्ल – कृष्ण

राग – द्वेष

स्वार्थ – परमार्थ

महँगा – सस्ता

युद्ध – शांति

हर्ष – विषाद

श्वेत – श्याम

मृत – जीवित

लघु – दीर्घ

याचक – दाता

लोक – परलोक

.....

## पूरक पुस्तक

### पाठ 8. तनाव

**प्रश्न-1 : 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव का क्या परिणाम निकला ?**

**उत्तर** : 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव 8 अगस्त 1942 को पारित हुआ | जनता का प्रदर्शन शुरू होते ही सरकार ने मुंबई तथा देश के अन्य भागों में गिरफ्तारियाँ शुरू कर दी | इसी क्रम में अंग्रेज सरकार ने नेहरु जी तथा उनके साथियों को अहमदनगर के किले में कैद कर दिया |

**प्रश्न - 2 : 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पर कब विचार किया गया ? उसका क्या उद्देश्य था ?**

**उत्तर** : बम्बई ( मुंबई ) में 7-8 अगस्त 1942 को 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पर विचार किया गया | यह प्रस्ताव ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध था | इसका उद्देश्य अंतरिम सरकार बनाने का निवेदन करना था , जिसमें भारत के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो | इसमें मित्र शक्तियों के सहयोग से भारत की सुरक्षा और अहिंसक शक्तियों के साथ बाहरी हमले को रोकने का प्रस्ताव भी था |

.....

## पूरक पुस्तक

### पाठ 9. दो पृष्ठभूमियाँ – भारतीय और अंग्रेज़ी

**प्रश्न – 1 : 1942 में नेताओं की गिरफ्तारी का जनता पर क्या असर हुआ ?**

उत्तर : 1942 में नेताओं की गिरफ़्तारी और गोलीबारी की बात सुनकर जनता भड़क उठी | उसने हिंसक और सहज प्रदर्शन किए | जनता इतनी उत्तेजित हुई कि वह चुप नहीं बैठ सकती थी | वह तोड़-फोड़ करने से भी नहीं चूक रही थी |

**प्रश्न -2 : इस आंदोलन में विद्यार्थियों का क्या योगदान रहा ?**

उत्तर : 1942 के इस आंदोलन में जनता जहाँ उग्र प्रदर्शन कर रही थी , वही इस आंदोलन में युवा पीढ़ी और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिंसक और शांतिपूर्ण दोनों कार्यवाहियों में भाग लेकर अपना योगदान दिया |

**प्रश्न – 3 : सन 1943 के अकाल की भीषणता का बारे में लिखिए |**

उत्तर : 1943 के अकाल ने देश को बुरी तरह गरीबी और भुखमरी की ओर धकेल दिया | बंगाल और बिहार इससे बुरी तरह प्रभावित हुए | ब्रिटिश शासन के 170 वर्षों में यह भीषणतम अकाल था | इस अकाल की तुलना 1766 से 1770 के अकाल से की जा सकती है | इसके बाद हैजा , मलेरिया जैसी बीमारियाँ फ़ैल गई |

# 13. जहाँ पहिया है

## लेखक :- पी.साईनाथ (अनु.)

शब्दार्थ:

1) यकीन - विश्वास
2) चाव - शौक
3) प्रहार - चोट
4) उत्साह - उमंग
5) आय - आमदनी
6) अजीबो-गरीब - विचित्र
7) अगुआ - आगे चलने वाला
8) असाधारण - विशेष

### प्रश्नोत्तर

**प्रश्न 1. "...उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकड़े हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं .." क्या आप लेखक की इस बात से सहमत हैं ? अपने उत्तर का कारण भी बताइए ।**

**उत्तर**:- "...उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकडे हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं.. लेखक के इस कथन से हम सहमत हैं क्योंकि मनुष्य स्वभावानुसार अधिक समय तक बंधनों में नहीं रह सकता । समाज द्वारा बनाई गई रूढ़ियाँ अपनी सीमाओं को लाँघने लगे तो समाज में इसके विरूद्ध एक क्रांति अवश्य जन्म लेती है, जो इन रूढ़ियों के बंधनों को तोड़ डालती है। ठीक वैसे ही तमिलनाडु के पुडुकोट्टई गाँव में हुआ है। महिलाओं ने अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के लिए साइकिल चलाना आरंभ किया और वह आत्मनिर्भर हो गई।

**प्रश्न 2. 'साइकिल आंदोलन' से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में कौन-कौन से बदलाव आए हैं ?**

उत्तर:- 'साइकिल आंदोलन' से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में निम्नलिखित बदलाव आए -

1. महिलाएँ अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के प्रति जागृत हुई।
2. कृषि उत्पादों को समीपवर्ती गाँवों में बेचकर उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी व आत्मनिर्भर हो गई।
3. समय और श्रम की बचत हुई।
4. स्वयं के लिए आत्मसम्मान की भावना पैदा हुई।

**प्रश्न 3. शुरूआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया परंतु आर. साइकिल्स के मालिक ने इसका समर्थन किया, क्यों?**

उत्तर:- शुरूआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया क्योंकि उन्हें डर था कि इससे नारी समाज में जागृति आ जाएगी। आर. साइकिल्स के मालिक गाँव के एकमात्र लेड़ीज साइकिल डीलर थे, इस आंदोलन से उसकी आय में वृद्धि होना स्वाभाविक था। इसलिए उसने स्वार्थवश आंदोलन का समर्थन किया।

**प्रश्न 4. प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधाएँ आई?**

उत्तर:- फातिमा ने जब इस आंदोलन की शुरूआत की तो उसको बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उसे लोगों की फ़ब्तियाँ (गंदी टिप्पणियाँ) सुननी पड़ी। फातिमा मुस्लिम परिवार से थी। जो बहुत ही रूढ़िवादी थे। उन्होंने उसके उत्साह को तोड़ने का प्रयास किया। पुरुषों ने भी इसका बहुत विरोध किया। दूसरी कठिनाई यह थी कि लेड़ीज साइकिल वहाँ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं थी।

**प्रश्न 5. आपके विचार से लेखक ने इस पाठ का नाम 'जहाँ पहिया है' क्यों रखा होगा?**

उत्तर:- तमिलनाडु के रूढ़िवादी पुडुकोट्टई गाँव में महिलाओं का पुरुषों के विरूद्ध खड़े होकर 'साइकिल' को अपनी जागृति के लिए चुनना बहुत बड़ा कदम था। पहिए को गतिशीलता का प्रतीक माना जाता है और इस साइकिल आंदोलन से महिलाओं का जीवन भी गतिशील हो गया। लेखक ने इस पाठ का नाम 'जहाँ पहिया है' तमिलनाडु के पुडुकोट्टई गाँव के'साइकिल आंदोलन' के कारण ही रखा होगा।

**प्रश्न 6. अपने मन से इस पाठ का कोई दूसरा शीर्षक सुझाइए। अपने दिए हुए शीर्षक के पक्ष में तर्क दीजिए।**

उत्तर:- 'साइकिल करेंगी-महिलाओं को आत्मनिर्भर' भी इस पाठ के लिए उपयुक्त नाम हो सकता था चूँकि साइकिल आंदोलन से महिलाएँ अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के प्रति जागृत हुई। कृषि उत्पादों को समीपवर्ती गाँवों में बेचकर उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी व आत्मनिर्भर हो गई।

**प्रश्न 7. साइकिल चलाने से फातिमा और पुडुकोट्टई की महिलाओं को 'आज़ादी' का अनुभव क्यों होता होगा?**

उत्तर:- फातिमा के गाँव में पुरानी रूढ़िवादी परम्पराएँ थीं। वहाँ औरतों का साइकिल चलाना उचित नहीं माना जाता था। इन रुढियों के बंधनों को तोड़कर स्वयं को पुरुषों की बराबरी का दर्जा देकर फातिमा और पुडुकोट्टई की महिलाओं को 'आज़ादी' का अनुभव होता होगा।

.....

## संवाद लेखन

1) माँ और बेटी के बीच हिमाचल प्रदेश में घूमने जाने के संदर्भ में हुए संवाद को लिखिए |

**अभ्यास हेतु -**

2) दूरदर्शन कार्यक्रमों के विषय में पिता-पुत्री के बीच हुए संवाद लिखिए |

.....

## पाठ 14 - अकबरी लोटा

### लेखक- अन्नपूर्णानन्द वर्मा

**शब्दार्थ:**

1) रोब से - प्रभाव
2) साख - विश्वास
3) अदब - सम्मान
4) विपदा - मुसीबत
5) कोष - ख़जाना
6) ईज़ाद - खोज
7) प्रधान - मुख्य
8) निरीह - कमजोर

**प्रश्नोत्तर**

**प्रश्न 1. "लाला ने लोटा ले लिया, बोले कुछ नहीं, अपनी पत्नी का अदब मानते थे।"**
**लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया। आपके विचार से वे चुप क्यों रहे? अपने विचार लिखिए।**

उत्तर:- लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिर भी उन्होंने चुपचाप लोटा ले लिया क्योंकि वे अपनी पत्नी का अदब मानते थे। दूसरा वे पत्नी के तेज-तर्रार स्वभाव से भी अवगत थे उन्होंने सोचा कि अभी तो लोटे में पानी मिला है यदि चूँ कर दू तो कहीं बाल्टी में भोजन ना करना पड़े।

**प्रश्न 2 .लाला झाऊलाल जी ने फौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।" आपके विचार से लाला झाऊलाल ने कौन-कौन सी बातें समझ ली होंगी?**
उत्तर:- दो और दो जोड़कर स्थिति को समझना – अर्थात् परिस्थिति को भाँप जाना। लोटा गिरने पर गली में मचे शोर को सुनकर आँगन में भीड़ एकत्र हो गई। एक अंग्रेज को भीगे हुए तथा पैर सहलाते हुए देखकर लाला समझ गए कि स्थिति गंभीर है और लोटा अंग्रेज को लगा है। इस समय उनका चुप रहना ही ठीक है।

**प्रश्न 3. अंग्रेज़ के सामने बिलवासी जी ने झाऊलाल को पहचानने तक से क्यों इनकार कर दिया था ? आपके विचार से बिलवासी जी ऐसा अजीब व्यवहार क्यों कर रहे थे ? स्पष्ट कीजिए ।**

उत्तर:- अंग्रेज़ के सामने बिलवासीजी ने झाऊलाल को पहचानने से इनकार कर दिया क्योंकि अंग्रेज़ का क्रोध शांत हो जाए और अंग्रेज़ को ज़रा भी संदेह न हो कि वह लाला झाऊलाल का आदमी है। तथा वह अपनी योजना पूरी करना चाहते थे जिससे पैसे की व्यवस्था हो सके।

**प्रश्न 4. बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध कहाँ से किया था ? लिखिए।**
उत्तर:- बिलवासीजी ने रुपयों का प्रबंध अपने ही घर से अपनी पत्नी के संदूक से चोरी कर किया था।

**प्रश्न 5. "इस भेद को मेरे सिवाए मेरा ईश्वर ही जानता है। आप उसी से पूछ लीजिए। मैं नहीं बताऊँगा।" बिलवासी जी ने यह बात किससे और क्यों कही ? लिखिए।**
उत्तर:- बिलवासी जी ने यह बात लाला झाऊलाल से कही क्योंकि बिलवासीजी ने रुपयों का प्रबंध अपने ही घर से अपनी पत्नी के संदूक से चोरी कर किया था इस रहस्य को वह झाऊलाल के सामने खोलना नहीं चाहते थे।

**प्रश्न 6. "उस दिन रात्रि में बिलवासी जी को देर तक नींद नहीं आई।" समस्या झाऊलाल की थी और नींद बिलवासी की उड़ी तो क्यों ? लिखिए।**
उत्तर:- लाला झाऊलाल के लिए बिलवासीजी ने अपनी पत्नी के संदूक से पैसे चोरी किए थे अब वे अपनी पत्नी के सोने की प्रतीक्षा में थे ताकि वह पैसे चुप-चाप संदूक में रख दे। इसलिए समस्या झाऊलाल की थी और नींद बिलवासी की उड़ी थी।

**प्रश्न 7. "लेकिन मुझे इसी जिंदगी में चाहिए।"**
**"अजी इसी सप्ताह में ले लेना।"**
**"सप्ताह से आपका तात्यर्य सात दिन से है या सात वर्ष से?"**
**झाऊलाल और उनकी पत्नी के बीच की इस बातचीत से क्या पता चलता है लिखिए।**

उत्तर:- झाऊलाल और उनकी पत्नी के बीच की इस बातचीत से निम्न बातें उजागर होती हैं –
1. झाऊलाल की पत्नी को अपने पति झाऊलाल के वादे पर भरोसा नहीं था।
2. उनकी पत्नी ने पहले भी कुछ माँगा होगा परन्तु उन्होंने हाँ करने के बाद भी लाकर नहीं दिया होगा।
3. झाऊलाल कंजूस प्रवृत्ति के हैं।

.....

## पूरक पुस्तक ( भारत की खोज )
## अंतिम दौर - एक

**प्रश्न -1 : 1857 का विद्रोह सफल क्यों न हो सका ?**
उत्तर : 1857 के विद्रोह के लिए जो तिथि निश्चित की गई थी , उसका खुलासा समय से पूर्व हो गया | इससे अंग्रेज सतर्क हो गए | इसके अलावा सभी जमीदारों, सामंती सरदारों आदि ने इसमें भाग नहीं लिया |

**प्रश्न -2 : लक्ष्मीबाई कौन थी ? उनके बारे में अंग्रेज जनरल ने क्या कहा है ?**

उत्तर : लक्ष्मीबाई झाँसी की शासिका थी | वह वीरांगना थी | उन्होंने 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों से मुकाबला किया और उनके छक्के छुड़ाए | उनके बारे में अंग्रेज जनरल का कहना था की " विद्रोहियों में वह सबसे बहादुर और सर्वोत्तम थी | "

**प्रश्न – 3 : राजा राममोहन राय कौन थे ? उनका नाम क्यों प्रसिद्ध है ?**

उत्तर : राजा राममोहन राय बंगाल के समाज-सुधारक थे | उन्होंने हिन्दू धर्म के सामाजिक रीति-रिवाजों से नाराज होकर 'ब्रह्म समाज' की स्थापना की | बंगाल के उभरते मध्य वर्ग पर इसका प्रभाव पड़ा , पर धार्मिक आस्था की दृष्टि से यह सीमित रहा |

**प्रश्न- 4 : "कैपिटेशन चार्ज" क्या है ? इस चार्ज को कौन देता था ?**

उत्तर : भारतीयों को इंग्लेंड में ब्रिटिश सेना के एक हिस्से के प्रशिक्षण का खर्च वहन करना पड़ता था | इस राशि को "कैपिटेशन चार्ज" कहा जाता है | इस चार्ज को भारतीयों द्वारा वहन किया जाता था |

.....

## पूरक पुस्तक ( भारत की खोज )

### 7 . अंतिम दौर – दो

**प्रश्न -1: प्रथम विश्व-युद्ध के बाद लोगों की दशा कैसी थी ?**

उत्तर : प्रथम विश्व-युद्ध के बाद समाज के हर वर्ग को अत्यंत मुश्किल भरा जीवन जीना पड़ रहा था | मजदूर वर्ग , किसान , मध्यम वर्ग सभी त्रस्त थे | उनका हर प्रकार से शोषण किया जा रहा था | ऐसे में गरीबी बढ़ती जा रही थी |

**प्रश्न – 2 : गाँधीजी ने कांग्रेस संगठन में प्रवेश करते ही क्या-क्या परिवर्तन किए ?**

उत्तर : गाँधीजी ने कांग्रेस संगठन में प्रवेश करते ही उसके संविधान में बदलाव ला दिया | उसे लोकतांत्रिक बनाया तथा किसानों और मजदूरों को कांग्रेस में आने के लिए उत्साहित किया | इससे संगठन मजबूत हुआ |

**प्रश्न – 3 : भारतीय संस्कृति के बारे में गांधीजी के विचार क्या थे ?**

उत्तर : भारतीय संस्कृति के बारे में गांधीजी सोचते थे की , "भारतीय संस्कृति न हिन्दू है न इस्लाम , न पूरी तरह से कुछ और है | यह सबका मिला-जुला रूप है |" आधुनिक विचारधाराओं से प्रभावित होकर उन्होंने कभी अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा |

**प्रश्न - 4 : कांग्रेस एकता बनाए रखने में विफल क्यों हुई ?**

उत्तर : कांग्रेस कभी भी सांप्रदायिक तत्वों को राजनीति में नहीं लाना चाहती थी | वह जानती थी सांप्रदायिक तत्व इस उद्देश्य में बाधक होंगे , इसके अलावा मुस्लिम लीग ने कांग्रेस का सहयोग नहीं लिया और वह एकता बनाने में विफल रही |

.....

## प्रत्यय

परिभाषा :- ऐसे शब्दांश जो शब्द के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं , प्रत्यय कहलाते हैं |

**उदाहरण** :- मिल + आप = मिलाप

पालन + हार = पालनहार

थक + आन = थकान

दिख + आवा = दिखावा

तैर + आक = तैराक

**अभ्यास कार्य -**

व्याकरण पाठ्य पुस्तक से प्रश्न - 2 और 3 को नोटबुक में करवाया जाएगा | ( पृष्ठ संख्या - 75 )

.....

## विज्ञापन लेखन

प्रकाश टोर्च के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

**अभ्यास हेतु-**

नहाने के साबुन के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

.....

## अपठित काव्यांश

कितना बल है , क्या संबलहै ? .....

..... क्या संबल है ?

( व्याकरण पुस्तक पृष्ठ संख्या- 240-241 )

.....

# 15 - सूरदास के पद

## कवि :- सूरदास

**शब्दार्थ:**

1) अजहूँ - आज
2) पियावत - पिलाती हो
3) पचि -पचि - ऱोज – ऱोज
4) हलधर - बलराम
5) दुपहर - दोपहर
6) जानि - जानकर
7) लाल - बेटा
8) तैं - तू

**प्रश्नोत्तर:**

**प्रश्न 1. बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए ?**
उत्तर:- माता यशोदा ने श्रीकृष्ण को बताया की दूध पीने से उनकी चोटी बलराम भैया की तरह हो जाएगी। श्रीकृष्ण अपनी चोटी बलराम जी की चोटी की तरह मोटी और बड़ी करना चाहते थे इस लोभ के कारण वे दूध पीने के लिए तैयार हुए।

**प्रश्न 2. श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे ?**
उत्तर:- श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में सोच रहे थे कि उनकी चोटी भी बलराम भैया की तरह लम्बी, मोटी हो जाएगी फिर वह नागिन जैसे लहराएगी।

**प्रश्न 3. दूध की तुलना में श्रीकृष्ण कौन-से खाद्य पदार्थ को अधिक पसंद करते हैं ?**
उत्तर:- दूध की तुलना में श्रीकृष्ण को माखन-रोटी अधिक पसंद करते हैं।

**प्रश्न 4. 'तैं ही पूत अनोखी जायौ' – पंक्तियों में ग्वालन के मन के कौन-से भाव मुखरित हो रहे हैं?**
उत्तर:- 'तैं ही पूत अनोखी जायौ' – पंक्तियों में ग्वालन के मन में यशोदा के लिए कृष्ण जैसा पुत्र पाने पर ईर्ष्या की भावना व कृष्ण के उनका माखन चुराने पर क्रोध के भाव मुखरित हो रहे हैं। इसलिए वह यशोदा माता को उलाहना दे रही हैं।

**प्रश्न 5. मक्खन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा क्यों देते हैं?**

उत्तर:- श्रीकृष्ण को माखन ऊँचे टंगे छींकों से चुराने में दिक्कत होती थी इसलिए माखन गिर जाता था तथा चुराते समय वे आधा माखन खुद खाते हैं व आधा अपने सखाओं को खिलाते हैं। जिसके कारण माखन जगह-जगह ज़मीन पर गिर जाता है।

**प्रश्न 6.सूरदास के दोनों पदों में से आपको कौन-सा पद अधिक अच्छा लगा और क्यों ?**

उत्तर:- दोनों पदों में प्रथम पद सबसे अच्छा लगता है। क्योंकि यहाँ बाल स्वभाववश प्राय: श्रीकृष्ण दूध पीने में आनाकानी किया करते थे। तब एक दिन माता यशोदा ने प्रलोभन दिया कि कान्हा ! तू नित्य कच्चा दूध पिया कर, इससे तेरी चोटी दाऊ (बलराम) जैसी मोटी व लंबी हो जाएगी। मैया के कहने पर कान्हा दूध पीने लगे। अधिक समय बीतने पर श्रीकृष्ण अपने बालपन के कारण माता से अनुनय-विनय करते हैं कि तुम्हारे कहने पर मैंने दूध पिया पर फिर भी मेरी चोटी नहीं बढ़ रही। उनकी माता से उनकी नाराज़गी व्यक्त करना, दूध न पीने का हट करना, बलराम भैया की तरह चोटी पाने का हट करना हृदय को बड़ा ही आनंद देता है।

**प्रश्न 7. दूसरे पद को पढ़कर बताइए कि आपके अनुसार उस समय श्रीकृष्ण की उम्र क्या रही होगी ?**

उत्तर:- दूसरे पद को पढ़कर लगता है कि उस समय श्रीकृष्ण की उम्र चार से सात साल रही होगी तभी उनके छोटे-छोटे हाथों से सावधानी बरतने पर भी माखन बिखर जाता था |

.....

# तलाश

प्रश्न 1. **सिंधु घाटी सभ्यता किस स्थान से सम्बंधित है ?**

उत्तर - सिंधु घाटी सभ्यता भारत के पश्चिमोत्तर दिशा में सिंधु घाटी में मोहनजोदड़ो नामक स्थान पर है | यह सभ्यता यहाँ चारों ओर बिखरी थी , जिसका समय चार - पांच हजार वर्ष पहले का बताया जाता है |

प्रश्न 2. **हिमालय के हृदय से कौन-कौन सी नदियाँ निकलती हैं ? सिंधु नदी की विशेषता पाठ के आधार पर लिखिए |**

उत्तर - हिमालय पर्वत के हृदय से गंगा , यमुना , ब्रह्मपुत्र तथा सिंधु जैसी अनेक नदियाँ निकलती हैं | सिंधु हिमालय से निकलने वाली प्रमुख नदी है | इसे इंडस भी कहा जाता है | इसी के आधार पर भारत का नाम 'इंडिया' या 'हिन्दुस्तान' पड़ा |

प्रश्न 3. **भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ लिखिए |**

उत्तर - भारत की शक्ति और सीमा नामक इस पाठांश से भारतीय संस्कृति के बारे में पता चलता है कि भारतीय संस्कृति अत्यंत पुरानी है | उसमें समय - समय पर कुछ बदलाव अवश्य हुए हैं , पर उसका स्वरुप नष्ट नहीं हुआ | यह पुराने विचारों के साथ - साथ नए विचार आत्मसात करने में सक्षम है |

प्रश्न 4. **तक्षशिला की प्रसिद्धि का कारण पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए |**

उत्तर - तक्षशिला एक महान विश्वविद्यालय तथा भारतीय संस्कृति का केंद्र था जो दो हजार वर्ष पहले प्रसिद्धि के चरम शिखर पर था | यहाँ भारत भर के ही नहीं बल्कि एशिया के विद्यार्थी ज्ञानार्जन हेतु आते थे |

.....

## 4 . **दीवानों की हस्ती**

कवि :- भगवतीचरण वर्मा

शब्दार्थ

1) हस्ती :- अस्तित्व
2) आलम :- दुनिया
3) स्वच्छंद :- अपनी इच्छा के अनुसार चलनेवाले
4) छककर :- जी भरकर
5) उर :- हृदय

प्रश्नोतर

प्रश्न 1. **'दीवानों की हस्ती' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए |**

उत्तर :- दीवानों की हस्ती कविता का प्रतिपाद्य यह है कि हमें सुख - दुख को एक समान भाव से अपनाना चाहिए | हमें मस्ती भरा जीवन जीना चाहिए | वास्तव में जीवन की सच्ची झलक इसी मनमौजी जीवन में मिलती है | हमारे मन में 'स्व' की भावना कम-से-कम 'पर' की भावना प्रगाढ़ होनी चाहिए | अपने तथा पराए की भावना से ऊपर उठकर हमें सभी के कल्याण की कामना करनी चाहिए |

प्रश्न 2. **'दीवानों की हस्ती' कविता में 'दीवाने' किन्हें कहा गया है ?**

उत्तर :- दीवानों की हस्ती कविता में 'दीवानें' उन्हें कहा गया है जो बेफिक्री का जीवन जीते हैं , लोगों के बीच मस्ती से जीवन जीने का संदेश देते हुए देश के लिए सब कुछ अर्पण कर देना चाहते हैं |

**प्रश्न 3.** कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है ?

**उत्तर :-** कवि ने अपने आने को उल्लास कहता है क्योंकि जहाँ भी वह जाता है मस्ती का आलम लेकर जाता है। वहाँ लोगों के मन प्रसन्न हो जाते हैं । पर जब वह उस स्थान को छोड़ कर आगे जाता है तब उसे तथा वहाँ के लोगों को दुःख होता है । विदाई के क्षणों में उसकी आखों से आँसू बह निकलते हैं ।

**प्रश्न 4. कविता में ऐसी कौन-सी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी ?**

**उत्तर :-** कविता में कवि का जीवन के प्रति दृष्टिकोण अच्छा लगा । कवि कहते है कि हम सबके सुख-दुःख एक है तथा हमें एक साथ ही इन सुखों और दुखों को भोगना पड़ता है । हमें दोनों परिस्थितियों का सामना समान भाव से करना चाहिए । ऐसा दृष्टिकोण रखनेवाला व्यक्ति ही सुखी रह सकता है ।

प्रश्न 5. जीवन में मस्ती होनी चाहिए , लेकिन कब मस्ती हानिकारक हो सकती है ?

उत्तर :- मनुष्य को सारी चिंता - फिक्र छोड़कर मस्ती भरा जीवन जीना चाहिए किन्तु हमारे द्वारा की गई मस्ती से किसी का अहित होने लगे या उसकी भावनाएँ आहत होने लगे तो वह मस्ती हानिकारक हो सकती है | हमें दूसरों के जीवन या स्वतंत्रता में दखल देने का कोई हक नहीं है | ऐसा न हो हम अपनी मस्ती में इतना मस्त हो जाएँ कि दूसरों की भावनाओं का ख्याल ही न रह पाए |

प्रश्न 6. 'आबाद रहे रहनेवाले' का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर :- दीवाने स्वयं तो एक जगह टिककर नहीं रुकते हैं , एक जगह रुकने से उनके उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो सकती है किन्तु देशवासियों के लिए वे हँसी-खुशी से जीवन बिताने की कामना करते हैं |

प्रश्न 7. 'दीवानों की हस्ती' कविता में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए |
उत्तर :- 'दीवानों की हस्ती' कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें मनमौजी तथा बेफिक्री का जीवन जीना चाहिए | लोगों के दुख को अपना दुख समझना चाहिए तथा उनमें खुशियाँ बाँटनी चाहिए | हमें देशवासियों के लिए कल्याण की भावना रखनी चाहिए | इसके आलावा दीवानों की तरह ही हमारे मन में देश के लिए अपना सब कुछ अर्पण करने की भावना होनी चाहिए |

.....

## श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द

परिभाषा :- कुछ शब्द मिलता - जुलता उच्चारण होने के कारण समान लगते हैं, किन्तु वे भिन्न अर्थ रखते हैं | ऐसे शब्दों को श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द कहते हैं |
पृष्ठ 51 , 52 से 1 , 5 , 7, 10, 15 , 17, 22, 24 , 26, 29 , 32 , 34 , 36 , 38 , 41 , 43 , 46 , 48 , 53 , 58

| क्र. सं | समरूपी शब्द | अर्थ |
|---|---|---|
| 1. | अंक | गोद |
| | अंग | शरीर |
| 2. | अनल | आग |
| | अनिल | हवा |
| 3. | अपचार | अनुचित कर्म |
| | उपचार | इलाज |
| 4. | अभिराम | सुंदर |
| | अविराम | लगातार |
| 5. | उग्र | तेज |
| | अग्र | आगे |
| 6. | कंकाल | हड्डियों का ढांचा |
| | कंगाल | दरिद्र |
| 7. | कोश | शब्दों का भंडार |
| | कोष | खजाना |
| 8. | गज | हाथी |

| | | |
|---|---|---|
| | गाज | बिजली |
| 9. | गृह | घर |
| | ग्रह | नक्षत्र |
| 10. | चिर | पुराना |
| | चीर | वस्त्र |
| 11. | ज्वर | बुखार |
| | ज्वार | उफ़ान |
| 12. | दिन | दिवस |
| | दीन | गरीब |
| 13. | धन | रुपया-पैसा |
| | धान | चावल का पौधा |
| 14. | नीर | जल |
| | नीड़ | घोंसला |
| 15. | पानी | जल |
| | पाणि | हाथ |
| 16. | प्रतिमा | मूर्ति |
| | प्रतिभा | बुद्धि |
| 17. | बान | आदत |
| | बाण | तीर |
| 18. | भारती | सरस्वती |
| | भारतीय | भारत का निवासी |
| 19. | रंक | दरिद्र |
| | रंग | वर्ण |
| 20. | शस्त्र | हथियार |
| | शास्त्र | धार्मिक ग्रंथ |
| | | |

## पर्यायवाची शब्द

परिभाषा :- पर्याय का शाब्दिक अर्थ है - अन्य या दूसरा | वे शब्द जो भिन्न - भिन्न होते हुए भी किसी एक अर्थ को स्पष्ट करे , पर्यायवाची कहलाते हैं | पृष्ठ संख्या 40

1 से 50 प्रथम सत्र

2 , 5 , 11 , 15 , 18 , 22 , 23 , 24 , 25 , 27 , 29 , 32 , 33 , 35 , 39 , 41 , 43 , 45 , 47 , 50 |

1 . अम्बर - आकाश ,गगन ,नभ ,आसमान ,व्योम

2 . अग्नि - आग ,अनल ,पावक ,ज्वाला ,वह्नि

3 . अरण्य -जंगल ,वन ,कानन ,विपिन ,कान्तार

4. आभूषण -भूषण ,गहना ,जेवर ,अलंकार

5 . इच्छा - आकांक्षा ,कामना ,मनोरथ ,चाह ,लालसा

6 . कपडा -वस्त्र ,वसन ,पट ,चीर ,अम्बर

7 . कमल - पंकज ,जलज ,नीरज ,राजीव ,अरविन्द

8 . कृषक - किसान ,खेतिहर ,कृषिजीवी ,हलवाहा

9 . कृष्ण -मोहन ,गोपाल ,केशव ,घनश्याम ,माधव

10. कामदेव -मदन ,कंदर्प ,मनोज ,रतिपति

11. कोयल - कोकिल श्यामा ,कोकिला ,पिक ,वसन्तदूत

12 . गंगा - भागीरथी ,सुरसरि ,मन्दाकिनी ,जाह्नवी

13 . गणेश - गजानन ,लम्बोदर ,गणपति ,एकदन्त

14 . गाय - गौ , धेनु ,सुरभि ,गऊ

15 . चतुर - दक्ष ,निपुण ,चालक ,कुशल ,प्रवीण

16 . झंडा - ध्वजा ,ध्वज ,पताका ,वैजयंती

17 .तलवार - खडग ,कृपाण ,करवाल ,असि ,चन्द्रहास

18 .दिन - दिवस ,दिवा ,वार ,वासर ,अहन

19 . दुर्गा - जगदम्बा ,शक्ति ,अम्बा ,भवानी

20 . नदी - सरिता ,सलिला ,तरंगिणी ,सरि

.....

## विलोम शब्द

परिभाषा :- विपरीत अर्थ को प्रकट करने वाले शब्द विपरीतार्थक या विलोम शब्द कहलाते हैं |

सिर्फ पृष्ठ 47

1 , 4 , 6 , 9 , 10 , 13 , 14 , 16 , 21 , 24 , 26 , 27 , 28 , 30 , 31 , 32 , 33 , 36 , 37 , 39

- अंत - आदि
- अंधकार- प्रकाश
- आलसी - परिश्रमी
- आस्तिक- नास्तिक
- उन्नति - अवनति
- आश्रित - निराश्रित
- आर्द्र - शुष्क
- उग्र - शांत
- उत्कृष्ट - निकृष्ट
- अंतरंग - बहिरंग
- आधुनिक- प्राचीन
- आय - व्यय
- आयात - निर्यात
- अपमान- सम्मान
- अद्भुत - साधारण
- आशावादी- निराशावादी

- ❑ आरोह - अवरोह
- ❑ अनुकूल- प्रतिकूल
- ❑ अनिवार्य- ऐच्छिक
- ❑ अतिवृष्टि- अनावृष्टि

.....

## संवाद लेखन

1) दो पड़ोसियों के बीच कालोनी में बढ़ती गंदगी को लेकर फ़ोन पर हुआ संवाद लिखिए |

अभ्यास हेतु

2) भारत और पाकिस्तान के बीच हुए क्रिकेट मैच पर दो मित्रों के बीच बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए |

.....

## चित्र वर्णन

व्याकरण पुस्तक से पृष्ठ 232 चित्र वर्णन के लिए लिया जाएगा |

.....

## विज्ञापन लेखन

वृक्षारोपण का संदेश देनेवाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

.....

## 6. भगवान के डाकिए

कवि :- रामधारी सिंह 'दिनकर'

शब्दार्थ

1) बाँचना :- पढ़ना , सस्वर पढ़ना
2) आँकना :- अनुमान करना
3) पांख :- पंख , पर
4) सौरभ :- सुगंध

प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

**उत्तर :-** कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं , उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं । उनके लाए संदेश को हम भले ही न समझ पाए , पर पेड़ , पौधे , पानी और पहाड़ उसे भली प्रकार पढ़-समझ लेतें हैं । जिस तरह बादल और पक्षी दूसरे देश में जाकर भी भेदभाव नहीं करते उसी तरह हमें भी आचरण करना चाहिए ।

प्रश्न 2. पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं ?

**उत्तर :-** पक्षी और बादल द्वारा लायी गई चिट्ठियों को पेड़-पौधे , पानी और पहाड़ पढ़ पाते हैं ।

प्रश्न 4. पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे , पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं ?

**उत्तर :-** कवि का कहना है कि पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं । जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं , उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश लाने काकाम करते हैं । पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे , पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं । इस पर अमल करते नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने पानी को बाँटती है । पहाड़ भी समान रूप से सबके साथ खड़ा होता है । पेड़-पौधें समान भाव से अपने फल , फूल व सुगंध को बाँटते हैं , कभी भेदभाव नहीं करते ।

प्रश्न 5. “एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है” - कथन का भाव स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर :- **एक देश की धरती अपने सुगंध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दूसरे देश को भेजकर सद्भावना का संदेश भेजती है । धरती अपनी भूमि में उगने वाले फूलों की सुगंध को हवा से , पानी को बादलों के रूप में भेजती है । हवा में उड़ते हुए पक्षियों के पंखों पर प्रेम-प्यार की सुगंध तैरकर दूसरे देश तक पहुँच जाती है । इस प्रकार एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है ।**

प्रश्न 6. पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं ?

**उत्तर :-** पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम , सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं । यह हमें यहीं संदेश देते हैं ।

प्रश्न 7. ‘भगवान के डाकिए’ कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए |

उत्तर :- 'भगवान के डाकिए' कविता में प्रकृति तथा उसके उपादानों द्वारा किए गए निस्वार्थ क्रिया-कलापों द्वारा मनुष्य को विश्वबंधुत्व की भावना मजबूत करने का संदेश दिया गया है | कविता में बताया गया है कि जिस प्रकार प्रकृति अपने खज़ाने को अपने-पराए का भेदभाव किए बिना सब पर लुटाती है उसी प्रकार जाति , धर्म , संप्रदाय , क्षेत्रीयता , भाई-भतीजावाद आदि की भावना से ऊपर उठकर हमें कार्य करना चाहिए जिससे प्रेम , सदभाव तथा एकता की भावना मजबूत हो |

.....

## अनेकार्थक शब्द

परिभाषा :- अनेक अर्थ प्रकट करने वाले शब्द अनेकार्थक कहलाते हैं | पृष्ठ संख्या 44

1 से 41 प्रथम सत्र

3 , 7 , 9 , 10 , 12 , 13 , 17 , 18 , 20 , 21 , 23 , 24 , 26 , 27 , 29 , 32 , 36 , 38 , 40 , 41 |

- अग्र -आगे ,मुख्य ,नेता ,श्रेष्ठ
- अपेक्षा -तुलना ,आवश्यकता ,आशा
- अरुण -सिंदूर ,सूर्य ,लाल ,सूर्य का सारथि
- अलि -कौआ ,भौंरा कोयल ,मदिरा
- अवस्था -आयु ,समय ,हालत ,दशा
- आराम -शांति ,विश्राम ,बाग़
- कंचन -निर्मल ,धन -दौलत ,सोना
- कनक -सोना , , धतूरा,
- कर -किरण ,हाथ ,मालगुजारी ,हाथी की सूँड
- काल -समय ,मृत्यु ,यमराज
- खग - बाण ,वायु ,पक्षी ,देवता
- गुरु - भारी ,बड़ा ,शिक्षक,श्रेष्ठ

- चपला - लक्ष्मी ,बिजली ,चंचल ,स्त्री
- चीर - वस्त्र ,पट्टी ,रेखा ,चीरना
- जलज - शंख ,कमल ,मोती ,मछली
- तट -प्रदेश ,खेत ,किनारा
- तात -प्यारा ,मित्र ,पिता ,पूज्य ,बड़ा
- दल - समूह ,पक्ष ,पत्ता ,सेना
- दुर्ग - कठिन ,किला ,एक ,असुर
- नग - सूर्य ,पहाड़ ,रत्न

.....

## अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

**प्रथम सत्र 1 से 50** **पृष्ठ संख्या 59**

**3 , 6 , 10 , 12 , 13 , 14 , 20 , 22 , 28 , 31 , 32 , 33 , 35 , 36 , 38 , 42 , 45 , 46 , 49 , 50 |**

.....

## मुहावरे

**परिभाषा :- जो वाक्यांश अपना सामान्य अर्थ न देकर विशेष अर्थ प्रकट करते हैं , उसे मुहावरा कहते हैं |**

**1 से 31 प्रथम सत्र**

1) **अपना उल्लू सीधा करना**
2) **अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना**
3) **आँखों का तारा**
4) **आग-बबूला होना**
5) **आसमान सिर पर उठाना**
6) **एक पंथ दो काज**

**7) कान खड़े होना**

**8) खरी - खोटी सुनना**

**9) गिरगिट की तरह रंग बदलना**

**10) गड़े मुर्दे उखाड़ना**

- **वाक्य प्रयोग विद्यार्थी स्वयं करेंगे |**

.....

## 7. क्या निराशा हुआ जाए

लेखक :- हजारी प्रसाद द्विवेदी

शब्दार्थ

1) धर्मभीरु :- जिसे धर्म छूटने का भय हो
2) पर्दाफ़ाश :- भेद खोलना
3) उजागर :- प्रकट करना
4) गंतव्य :- स्थान जहाँ किसी को जाना हो
5) ढाँढस :- दिलासा

प्रश्नोतर

प्रश्न 1. लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं । आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है ?

**उत्तर :-** लेखक ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा है कि उसने धोखा भी खाया है परंतु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज मिलती है । पर उसका मानना है कि अगर वो इन धोखों को याद रखेगा तो उसके लिए विश्वास करना बेहद कष्टकारी होगा और ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण उनकी सहायता की है , निराश मन को ढाँढस दिया है और हिम्मत बँधाई है ।
टिकट बाबू द्वारा बचे हुए पैसे लेखक को लौटाना , बस कंडक्टर द्वारा दूसरी बस व बच्चों के लिए दूध लाना आदि ऐसी घटनाएँ हैं । इसलिए उसे विश्वास है कि समाज में मानवता , प्रेम , आपसी सहयोग समाप्त नहीं हो सकते ।

प्रश्न 2. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है ?

**उत्तर :-** दोषों का पर्दाफ़ाश करना तब बुरा रूप ले सकता है जब हम किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करके उसमें रस लेते है या जब हमारे ऐसा करने से वे लोग उग्र रूप धारण कर किसी को हानि पहुँचाए ।

प्रश्न 3. आजकल के बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल 'दोषों का पर्दाफ़ाश' कर रहे हैं । इस प्रकार के समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित विचार लिखिए ?

**उत्तर :-** इस प्रकार के पर्दाफाश से समाज में व्याप्त बुराईयों से , अपने आस-पास के वातावरण तथा लोगों से अवगत हो जाते हैं और इसके कारण समाज में जागरूकता भी आती है साथ ही समाज समय रहते ही सचेत और सावधान हो जाता हैं ।

प्रश्न 4. आज समाज में मानवीय मूल्यों की क्या स्थिति है ?

उत्तर :- आज समाज में सच्चाई का पालन करने वाले को मूर्ख समझा जाने लगा है | उन्हें अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है | श्रमजीवी पिस रहे हैं जबकि फ़रेब का व्यापार करने वाले फल-फूल रहे हैं | ऐसे में मानवीय मूल्यों के प्रति लोगों की आस्था कम होती जा रही है |

प्रश्न 5. भ्रष्टाचार के विरुद्ध लोगों का आक्रोश क्या प्रकट करता है ?

उत्तर :- भ्रष्टाचार के विरुद्ध लोगों में व्याप्त आक्रोश यह प्रकट करता है कि लोग उसे समाज से दूर करना चाहते हैं | वे इसे गलत समझते हैं | गलत तरीके से कमाए गए धन और मान की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं|

प्रश्न 6. टिकट बाबू की किस ईमानदारी से लेखक चकित हो गया ?

उत्तर :- एक बार टिकट लेते समय लेखक को दस रूपए का टिकट लेना था | उसने गलती से सौ रुपए का नोट दे दिया और डिब्बे में जाकर बैठ गया | थोड़ी देर में टिकट बाबू नब्बे रुपए लेकर आया और लेखक को दिए | ऐसा करते समय उसके चेहरे पर विचित्र संतोष की गरिमा थी | उसकी ऐसी ईमानदारी देखकर लेखक चकित रह गए |

प्रश्न 7. उस घटना का वर्णन कीजिए , जिससे हमें यह पता चलता है कि दूसरों के बारे में बिना सोचे-समझे गलत राय नहीं बना लेनी चाहिए |

उत्तर :- लेखक जिस बस में यात्रा कर रहा था , वह बस खराब हो गई | बस का कंडक्टर एक साइकिल उठाकर चलता बना | लोगों ने समझा कि यह जरुर ही डाकुओं को बुलाने गया

है , लोगों ने बिना सोचे - समझे ड्राइवर को मारने की योजना बना ली पर लेखक के समझाने पर वे मान गए | थोड़ी देर में लोगों ने देखा कि कंडक्टर बस अड्डे से नई बस लेकर आ रहा है | बाद में सभी ने अपनी भूल के लिए ड्राइवर से क्षमा माँगी |

.....

## 8 . यह सबसे कठिन समय नहीं

कवयित्री :- जया जादवानी

शब्दार्थ

1) झरती :- गिरती
2) थामना :- सहारा देना
3) गंतव्य :- जहाँ जाना हो
4) सदियाँ :- कई सौ सालों का समय
5) अन्तरिक्ष :- आकाश
6) तमाम :- बहुत से

प्रश्नोत्तर

प्रश्न **1. "यह कठिन समय नहीं है ?" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं ? स्पष्ट कीजिए ।**

**उत्तर :-** "यह कठिन समय नहीं है ?" – यह बताने के लिए कवयित्री ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं -

1. अभी भी चिड़िया चोंच में तिनका दबाए उड़ने को तैयार है क्योंकि वह नीड़ का निर्माण करना चाहती है ।
2. एक हाथ झड़ती हुई पत्ती को सहारा देने के लिए बैठा है ।
3. अभी भी एक रेलगाड़ी गंतव्य अर्थात् पहुँचने वाले स्थान तक जाती है ।
4. नानी की कथा का अखिरी हिस्सा बाकी है ।
5. अभी भी एक बस अंतरिक्ष के पार की दुनिया से बचे हुए लोगों की खबर लाएगी ।
6. अभी भी कोई किसी को कहता है कि जल्दी आ जाओ , सूरज डूबने का समय हो चला है ।

प्रश्न 2. चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है ? वह तिनकों का क्या करती होगी ? लिखिए।

**उत्तर :-** चिड़िया अपनी चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है क्योंकि सूरज डूबने का समय हो चुका है उसके डूबने से पहले चिड़िया अपने लिए घोंसला बनाना चाहती है । वह तिनके से अपने लिए घोंसला तैयार कर उसमें अपने बच्चों के साथ रहेगी । घोंसला उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है ।

प्रश्न 3. 'यह सबसे कठिन समय नहीं' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए |

उत्तर :- 'यह सबसे कठिन समय नहीं' कविता में मनुष्य को निराशा त्यागने तथा जीवन के प्रति आशावादी बनने का सुझाव दिया गया है | कवयित्री वर्तमान को सबसे कठिन समय नहीं मानती है | इसके लिए वह चिड़िया को घोंसला बनाने की तैयारी करते हुए , गिरती पत्ती को थामने के लिए तैयार हाथ , स्टेशन पर भीड़ तथा गंतव्य तक जाती रेलगाड़ी अपने प्रियजन के लिए चिंतातुर लोग तथा अन्तरिक्ष की दुनिया से आती बस जो वहाँ बचे लोगों की कुशलता का समाचार लाती है , का उदाहरण देते हुए मनुष्य को निराशा से बचाने का प्रयास किया है|

प्रश्न 4. 'यह सबसे कठिन समय नहीं' कविता हमारे लिए क्या संदेश छोड़ जाती है ?

उत्तर :- 'यह सबसे कठिन समय नहीं' कविता ने मनुष्य को निराशा से बचने का संदेश दिया है | वर्तमान को कठिनतम समय न बताकर जीवन को आशावादी बनाने का प्रयास किया गया है | हमें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण रखना चाहिए तथा मन की निराशा त्यागकर लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए |

प्रश्न 5. बस कहाँ से और किनकी खबर लाएगी ?

उत्तर :- कविता में नानी जो कहानियाँ सुनाती है उसमें बस अन्तरिक्ष की दुनिया से आती है | वहाँ अन्तरिक्ष में बचे लोगों की कुशलता का समाचार लाती है |

प्रश्न 6. 'घर न लौटने पर किस समय प्रियजन चिंतित हो जाते हैं' आखिर क्यों ?

उत्तर :- घर न लौटने पर सूर्य डूबने के समय या उसके बाद प्रियजन चिंतित हो जाते हैं | उनकी चिंता का कारण यह है कि सूर्य डूबने के बाद तो रात हो जाएगी | वे लौटकर न आने वाले से प्यार एवं अपनत्व का संबंध रखते हैं |

प्रश्न 7. बूढी नानी सदियों से कहानियाँ क्यों सुनाया करती होंगी ?

उत्तर :- बूढी नानी द्वारा सदियों से कहानियाँ सुनाने के कई उद्देश्य हैं - पहला तो यह कि बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन होता है | वे शरारतें भूलकर शांत हो जाते हैं |दूसरा यह कि उन्हें जीवन की अनेक शिक्षाप्रद बातों का ज्ञान होता है |

.....

.

## अनौपचारिक पत्र

1) **छोटी बहन को परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई - पत्र लिखिए |**

**अभ्यास हेतु**

2) **छोटी बहन / भाई को परीक्षा में असफल होने पर सांत्वना - पत्र लिखिए |**

.....

## अपठित काव्यांश

व्याकरण पुस्तक से पृष्ठ 239 3. क्रमांक नोटबुक में करवाया जाएगा |

हम जंग न होने देंगे

.....

.....जंग न होने देंगे |

हम जंग न होने देंगे !

विश्व शांति के हम साधक हैं ,जंग न होने देंगे !

कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी ,

खलियानों में नहीं मौन की फ़सल खिलेगी |

आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा ,

एटम से नागासाकी फिर नहीं जलेगा ,

युद्ध विहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे |

जंग न होने देंगे !

हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा ,

मुँह में शांति ,बगल में बम ,धोखे का फेरा ,

कफ़न बेचनेवालों से कह दो चिल्लाकर ,

दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा ,

कामयाब हों उनकी चालें ,ढंग न होने देंगे |

जंग न होने देंगे !

(क) कवि किस चीज का विरोधी है ?

(ख ) कवि स्वयं को किसका साधक मानता है ?

(ग ) 'नागासाकी' से क्या अभिप्राय है ?

(घ ) 'युद्धविहीन ' में कौन –सा समास है ?

(ड़ )काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए |

.....

## 9 . कबीर की साखियाँ

शब्दार्थ

1) ज्ञान :- जानकारी
2) म्यान :- तलवार रखने का कोष
3) दहुँ :- दस
4) दिसि :- दिशा
5) सुमिरन :- ईश्वर के नाम का जप
6) दुहेली :- दुख
7) वैरी :- दुश्मन

प्रश्नोत्तर

**प्रश्न 1. 'तलवार का महत्त्व होता है , म्यान का नहीं' - उक्त उदाहरण से कबीर क्या कहना चाहता है ? स्पष्ट कीजिए ।**

**उत्तर :-** 'तलवार का महत्व होता है , म्यान का नहीं' से कबीर यह कहना चाहता है कि असली चीज़ की कद्र की जानी चाहिए । दिखावटी वस्तु का कोई महत्त्व नहीं होता । इसी प्रकार किसी व्यक्ति की पहचान अथवा उसका मोल उसकी काबलियत के अनुसार तय होता है न कि कुल , जाति , धर्म आदि से । उसी प्रकार ईश्वर का भी वास्तविक ज्ञान जरुरी है । ढोंग-आडंबर तो म्यान के समान निरर्थक है । असली बह्रम को पहचानो और उसी को स्वीकारो ।

प्रश्न 2. पाठ की तीसरी साखी-जिसकी एक पंक्ति हैं 'मनुवाँ तो दहुँ दिसि फिरै , यह तो सुमिरन नाहिं' के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं ?

**उत्तर :-** कबीरदास जी इस पंक्ति के द्वारा यह कहना चाहते हैं कि भगवान का स्मरण एकाग्रचित्त होकर करना चाहिए । इस साखी के द्वारा कबीर केवल माला फेरकर ईश्वर की उपासना करने को ढोंग बताते हैं । हमारा मन यदि चारों दिशाओं में भटक रहा है और हम राम-राम जप रहे हैं तो वह भक्ति सच्ची भक्ति नहीं है |

प्रश्न 3. कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं ? पढ़े हुए दोहे के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**उत्तर :-** घास का अर्थ है पैरों में रहने वाली तुच्छ वस्तु । कबीर अपने दोहे में उस घास तक की निंदा करने से मना करते हैं जो हमारे पैरों के तले होती है । कबीर के दोहे में 'घास' का विशेष अर्थ है । यहाँ घास दबे-कुचले व्यक्तियों की प्रतीक है । कबीर के दोहे का संदेश यही है कि व्यक्ति या प्राणी चाहे वह जितना भी छोटा हो उसे तुच्छ समझकर उसकी निंदा नहीं करनी चाहिए । हमें सबका सम्मान करना चाहिए ।

प्रश्न 4. कबीर जी किस तरह की भक्ति को सच्ची भक्ति नहीं मानते है ?

उत्तर :- कबीर जी उस भक्ति को सच्ची भक्ति नहीं मानते हैं , जब व्यक्ति हाथ में मनका घुमाता रहता है और मुहँ से राम - राम उच्चारित तो करता है पर उसका मन एकाग्रचित्त होने के बजाए इधर - उधर भटकता रहता है |

प्रश्न 5. मनुष्य आपा अपना खोता है , पर व्यवहार दूसरों का बदलता है , इस विरोधाभास को स्पष्ट कीजिए |उत्तर :- जब कोई व्यक्ति अपने मन का घमंड त्यागता है तो उसका स्वभाव शांत , मन स्वच्छ तथा निर्मल हो जाता है , ऐसे में सभी उसके प्रति अपना व्यवहार बदलने को विवश हो जाते हैं | सभी उस पर दयाभाव बनाए रखते हैं ; इस प्रकार यह विरोधाभास स्पष्ट होता है |

प्रश्न 6. आपके विचार में आपा और आत्मविश्वास में तथा आपा और उत्साह में क्या कोई अंतर हो सकता है ? स्पष्ट करें ।

**उत्तर :-** आपा और आत्मविश्वास में तथा आपा और उत्साह में अंतर हो सकता है -
1. आपा और आत्मविश्वास - आपा का अर्थ है अहंकार जबकि आत्मविश्वास का अर्थ है अपने ऊपर विश्वास ।
2. आपा और उत्साह - आपा का अर्थ है अहंकार जबकि उत्साह का अर्थ है किसी काम को करने का जोश ।

प्रश्न 7. कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है ?

उत्तर :- **कबीर के दोहों को साखी इसलिए कहा जाता है क्योंकि इनमें श्रोता को गवाह बनाकर साक्षात् ज्ञान दिया गया है । कबीर समाज में फैली कुरीतियों , जातीय भावनाओं और बाह्य आडंबरों को इस ज्ञान द्वारा समाप्त करना चाहते थे ।**

.....

## 4. युगों का दौर

**प्रश्न 1. 'भारत का नेपोलियन' किसे कहा जाता है और क्यों ?**

**उत्तर :- गुप्त साम्राज्य के वंशज समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है | समुन्द्रगुप्त का काल अत्यंत सुसंस्कृत शक्तिशाली और समृद्ध था | इस काल में साहित्य और कला के क्षेत्र में भारत ने बहुत उन्नति की |**

**प्रश्न 2. कालिदास कौन थे ? भारतीय नाटक में उनकी प्रसिद्धि का क्या कारण है ?**

**उत्तर :- कालिदास संस्कृत भाषा के सबसे बड़े कवि और नाटककार हैं | उनके बारे में माना जाता है कि वह चन्द्रगुप्त (द्वितीय) विक्रमादित्य के नौ रत्नों में एक थे | उनकी रचनाओं में जीवन के प्रति प्रेम और प्राकृतिक सौन्दर्य के प्रति आवेग मिलता है | 'अभिज्ञानशाकुंतलम' , 'मेघदूत' आदि उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं |**

**प्रश्न 3. संस्कृत भाषा अद्भुत रूप से समृद्ध भाषा है - ऐसा क्यों कहा गया है ?**

**उत्तर :- संस्कृत भाषा अत्यंत विकसित तथा अनेक तरह से अलकृंत है | इस भाषा ने प्रसार होने , संपन्न होने तथा अलकृंत होने पर भी अपना मूल स्वरुप नहीं छोड़ा | यह अनेक आधुनिक भारतीय भाषाओं की जननी भी है|**

**प्रश्न 4. भास्कर द्वितीय का गणित के क्षेत्र में योगदान स्पष्ट कीजिए |**

**उत्तर :- भास्कर द्वितीय का जन्म 1114 ई. में हुआ | उसने खगोलशास्त्र , बीजगणित और अंकगणित पर तीन ग्रंथो की रचना की | अंकगणित पर लिखी उनकी पुस्तक लीलावती सरल एवं स्पष्ट शैली में है | यह छोटी उम्र वालों के लिए बहुत उपयोगी है | कुछ संस्कृत विद्यालयों में आज भी पठन-पाठन हेतु इनकी शैली का प्रयोग किया जाता है |**

## 2. नयी समस्याएँ

**प्रश्न 1. तैमूर के हमलों के बाद दिल्ली की क्या दशा हुई ?**

**उत्तर :- तैमूर के हमलों के बाद दिल्ली बुरी तरह तहस-नहस हो गई | उसे बनने में कई वर्ष लग गए | अब वह विशाल साम्राज्य की राजधानी जैसी नहीं रह गई थी | तैमूर के हमलों का प्रभाव चारों ओर दिखाई देता था |**

**प्रश्न 2. शिवाजी कौन थे ? उनका नाम भारतीय इतिहास में क्यों प्रसिद्ध है ?**

**उत्तर :- शिवाजी का जन्म सन 1627 ई. में हुआ था | उनको मराठों का नायक कहा जाता है | वे कुशल छापामार नेता थे | उनकी सेना के घुड़सवार दूर - दूर छापामार कर शत्रुओं का मुकाबला करते थे | उन्होंने सूरत में अंग्रेजों की कोठियों को लूटा और मुग़ल साम्राज्य के क्षेत्रों पर 'चौथ' नमक कर लगाया | उन्होंने मराठों को संगठित कर दुर्जेयशक्ति का रूप दिया |**

**प्रश्न 3. जयसिंह कौन था ? उसके व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए |**

**उत्तर :- जयसिंह राजपूताने में जयपुर का राजा था | वह बहादुर योद्धा तथा कुशल राजनीतिज्ञ था | वह गणितज्ञ , खगोल वैज्ञानिक , नगर निर्माण कराने वाला तथा इतिहास का जिज्ञासु था |**

**प्रश्न 4. बाबर कौन था ? उसके व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए |**

**उत्तर :- बाबर भारत में मुग़ल वंश का संस्थापक था | उसने 1526 ई. में दिल्ली की सल्तनत को जीता | उसका व्यक्तित्व आकर्षक था | वह कला और साहित्य का शौक़ीन था | अपने चार साल के शासन को उसने युद्ध तथा आगरा को राजधानी बनाने में लगाया |**

.....

# 3 . बस की यात्रा

लेखक :- हरिशंकर परसाई

शब्दार्थ

1) निमित्त :- कारण
2) गोता :- डुबकी लगाना
3) इत्तफाक :- संयोग
4) बियाबान :- जंगल , उजाड़खंड
5) अंत्येष्टि :- मृतक कर्म
6) प्रयाण :- प्रस्थान

प्रश्नोत्तर

**प्रश्न 1. "मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।" लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई ?**

**उत्तर :-** लेखक के मन में बस कंपनी के हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा इसलिए जाग गई कि वह टायर की स्थिति से परिचित होने के बावजूद भी बस को चलाने का साहस जुटा रहा था । कंपनी का हिस्सेदार अपनी पुरानी बस की खूब तारीफ़ कर रहा था । अर्थ मोह की वजह से आत्म बलिदान की ऐसी भावना दुर्लभ थी , जिसे देखकर लेखक हतप्रभ हो गया और उसके प्रति उनके मन में श्रद्धा भाव उमड़ते है ।

**प्रश्न 2. "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते ।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी ?**

**उत्तर :-** लोगों ने लेखक को यह सलाह दी क्योंकि वे जानते थे की बस की हालत बहुत खराब है । बस का कोई भरोसा नहीं है कि यह कब और कहाँ रूक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहाँ बितानी पड़ जाए, कुछ पता नहीं रहता । उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह है ।

**प्रश्न 3. "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं ।" लेखक को ऐसा क्यों लगा ?**

**उत्तर :-** जब बस चालक ने इंजन स्टार्ट किया तब सारी बस झनझनाने लगी । लेखक को ऐसा प्रतीत हुआ कि पूरी बस ही इंजन है । मानो वह बस के भीतर न बैठकर इंजन के

भीतर बैठा हुआ हो । अर्थात् इंजन के स्टार्ट होने पर इंजन के पुर्जो की भांति बस के यात्री हिल रहे थे ।

प्रश्न **4. "गज़ब हो गया । ऐसी बस अपने आप चलती है ।" लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई ?**

**उत्तर :-** बस की वर्तमान स्थिति देखते हुए इस प्रकार का आश्चर्य व्यक्त करना स्वाभाविक था । देखने से लग नहीं रहा था कि बस चलती भी होगी परन्तु जब लेखक ने बस के हिस्सेदार से पूछा तो उसने कहा चलेगी ही नहीं , अपने आप चलेगी ।

**प्रश्न 5. "मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था ।" लेखक पेड़ों को अपना दुश्मन क्यों समझ रहा था ?**

**उत्तर :-** बस की जर्जर अवस्था से लेखक को ऐसा महसूस हो रहा था कि बस का स्टीयरिंग कहीं भी टूट सकता है तथा ब्रेक फेल हो सकता है । ऐसे में लेखक को डर लग रहा था कि कहीं उसकी बस किसी पेड़ से टकरा न जाए । एक पेड़ निकल जाने पर वह दूसरे पेड़ का इंतज़ार करता था कि बस कहीं इस पेड़ से न टकरा जाए । यही वजह है कि लेखक को हर पेड़ अपना दुश्मन लग रहा था ।

**प्रश्न 6. 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' किस के नेतृत्व में , किस उद्देश्य से तथा कब हुआ था ?**

**उत्तर :-** 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' महात्मा गाँधी के नेतृत्व में 1930 में अंग्रेज़ी सरकार से असहयोग करने तथा पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए किया गया था ।

**प्रश्न 7. लेखक और उसके मित्र कितने बजे की बस पकड़ना चाहते थे और क्यों ?**

**उत्तर :- लेखक और उसके मित्र शाम चार बजे की बस पकड़ना चाहते थे | इस बस से वे पन्ना , फिर सतना और वहाँ से जबलपुर जाने वाली ट्रेन पकड़कर सुबह तक घर पहुँचना चाहते थे |**

.....

## विराम चिन्ह

परिभाषा :- भाषा में वाक्यों , उपवाक्यों और शब्दों पर जहाँ जितना विराम अपेषित हो , उसे सूचित करने वाले चिन्ह विराम चिन्ह कहलाते हैं |

हिंदी में मुख्यतः बारह विराम - चिन्हों का प्रयोग किया जाता हैं :-

1) **पूर्णविराम चिन्ह** [ । ]

उदाहरण :- (i) महेश खाना खा रहा है।

(ii) पिता जी दफ्तर जा रहे हैं।

2) **अल्पविराम चिन्ह** [ , ]

उदाहरण :- (i) पीले , लाल , गुलाबी और नीले फूल बाग की शोभा बढ़ा रहे हैं।

(ii) तुम बैठो , मैं अभी आई।

3) **अर्धविराम चिन्ह** [ ; ]

उदाहरण :- (i) कविता ने बहुत प्रयत्न किए ; परन्तु सफल न हो सकी।

(ii) खनिज पदार्थों में लोहा मुख्य है ; पर वहाँ सीसा और जस्ता भी मिलता है।

4) **प्रश्नवाचक चिन्ह** [ ? ]

उदाहरण :- (i) तुम क्या कर रहे हो ?

(ii) रवि , तुम कब आ रहे हो ?

5) **विस्मयवाचक चिन्ह** [ ! ]

उदाहरण :- (i)छि: ! इतनी गंदगी पहले कभी नहीं देखी।

(ii) हे ईश्वर ! यह क्या हुआ ?

6) **योजक या विभाजक** [ - ]

उदाहरण :-(i) कभी - कभी , दूर - दूर

(ii) माता - पिता , छोटा - बड़ा

7) **निर्देशक चिन्ह** [ ---- ]

उदाहरण :-(i) हमारे राष्ट्रीय त्योहार हैं - 15 अगस्त , 26 जनवरी व 2 अक्तूबर।

(ii) 'तुम मुझे खून दो , मैं तुम्हे आज़ादी दूँगा।'--- सुभाष चंद्र बोस।

8) **उद्धरण - चिन्ह** [' ' ] [ " " ]

उदाहरण :- (i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ii) तुलसीदास जी ने कहा , "रघुकुल रीति सदा चली आई। प्राण जाए पर वचन न जाए।"

9) **विवरण - चिन्ह** [ :- ]

उदाहरण :- (i) निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़िए :-

(ii)अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ प्रकार होते हैं :-

10) **कोष्ठक चिन्ह** [ ] ( )

उदाहरण :- (i) निरंतर ( लगातार ) अध्ययन से ही अच्छे अंक प्राप्त होते हैं।

(ii) कैकेयी - (क्रुद्ध होकर) मुझे यह फैसला मंजूर नहीं।

11) **लाघव या संक्षेपसूचक चिन्ह** [ °]

उदाहरण :- (i) पं . - पंडित

(ii) डॉ . - डॉक्टर

12) **हंसपद या त्रुटिपूरक चिन्ह [ ^ ]**

उदाहरण :- (i) राम ने रावण ^ वध किया |

(ii) कोई तुम्हे बुला ^ है |

अभ्यास कार्य

प्रश्न - 1 नोटबुक में करवाया जाएगा एवं प्रश्न - 3 पुस्तक में ही करवाया जाएगा |

## उपसर्ग

परिभाषा :- जो शब्दांश शब्दों के पहले जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं , वे उपसर्ग कहलाते हैं |

उपसर्ग के भेद

हिंदी भाषा में मुख्यतः चार प्रकार के उपसर्ग प्रयोग में लाए जाते हैं ----

1) संस्कृत के उपसर्ग
2) संस्कृत के अव्यय
3) हिंदी के उपसर्ग
4) उर्दू व अरबी - फ़ारसी के उपसर्ग

**1) संस्कृत के उपसर्ग**

| उपसर्ग | अर्थ | शब्द |
|---|---|---|
| अनु | पीछे , समान | अनुचर , अनुक्रम , अनुभव |
| अधि | श्रेष्ठ , ऊपर | अधिकार , अधिपति , अध्याय |
| उप | निकट , सदृश | उपदेश , उपकार , उपवन |
| परि | आसपास , चारों ओर | परिक्रमा , परिवार , परिचय |
| वि | विशेष, भिन्न | विज्ञान , विवाद , विजय |

**2) संस्कृत के अव्यय**

| उपसर्ग | अर्थ | शब्द |
|---|---|---|
| कु | बुरा | कुपात्र , कुकर्म , कुरूप |
| चिर | बहुत , देर | चिरकाल , चिरायु , चिरस्थायी |
| सह | साथ | सहकारी , सहयोग , सहोदर |
| पुनर | पुन: , फिर | पुनर्जन्म , पुनरागमन , पुनर्विवाह |
| स्वयं | अपने-आप , खुद | स्वयंसेवक, स्वयंवर , स्वयंसिद्ध |

**3) हिंदी के उपसर्ग**

| उपसर्ग | अर्थ | शब्द |
|---|---|---|
| अन | विशेष , निषेध | अनमोल , अनबन , अनपढ़ |
| नि | रहित , नहीं | निहत्था , निडर , निकम्मा |
| बिन | निषेध | बिनखाया , बिनदेखा , बिनकाम |
| दु | दो | दुगुना , दुमंजिला , दुबारा |
| स | अच्छा | सजग , सफल , सपूत |

**4) उर्दू व अरबी-फ़ारसी के उपसर्ग**

| उपसर्ग | अर्थ | शब्द |
|---|---|---|
| खुश | अच्छा , प्रसन्न | खुशबू , खुशदिल , खुशकिस्मत |
| बा | सहित | बाअदब , बाकायदा , बाइज्जत |
| ला | बिना | लापरवाह , लाजवाब , लाइलाज |
| हम | समान | हमशक्ल , हमसफ़र , हमउम्र |
| सर | मुख्य | सरकार , सरताज , सरपंच |

**अभ्यास कार्य**

व्याकरण पाठ्य पुस्तक से प्रश्न - 2,3,4 को नोटबुक में करवाया जाएगा |

.....

## औपचारिक पत्र

1) रेल - यात्रा के दौरान चोरी की शिकायत करते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए |

**अभ्यास हेतु**

2) स्वास्थ्य अधिकारी को मोहल्ले की सफाई का उचित प्रबंध करने हेतु पत्र लिखिए |
3) अपने शहर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण की ओर ध्यानाकर्षित कराते हुए दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |

.....

## भारत की खोज 1. अहमदनगर का किला

प्रश्न 1.**नेहरु जी अपनी विरासत किसे मानते हैं ?**

उत्तर - नेहरु जी उन सबको अपनी विरासत मानते हैं जिसे मानवता ने दसियों हजारों सालों के दौरान हासिल किया | इसमें विजयों का उल्लास , पराजय की दुखद यंत्रणा तथा मनुष्य के हैरत अंगेज कारनामें भी हैं |

प्रश्न 2. **अहमदनगर किले में नेहरूजी अपना शौक पूरा करने के लिए क्या काम करने लगे ?**

उत्तर - अहमदनगर किले में नेहरूजी ने अपनी बागवानी का शौक पूरा करने के लिए कुदाल उठा ली और बागवानी के काम के लिए 'पथरीली एवं कंकरीली जमीन की खुदाई शुरू कर दी।' उन्होंने अपने अथक परिश्रम तथा लगन से उस अनुपजाऊ जमीन को पेड़ - पौधे लगाने के योग्य बना दिया।

प्रश्न 3. **इतिहास लेखन के बारे में इतिहासकार गेटे का क्या कहना है ?**

उत्तर - इतिहास लेखन के बारे में इतिहासकार गेटे का कहना था कि इतिहास लेखन अतीत के भारी बोझ से एक सीमा तक राहत दिलाता है।

प्रश्न 4. **चाँद बीबी कौन थी ? उनसे सम्बंधित कौन-सी घटना याद की जाती है ?**

**उ**त्तर - चाँद बीबी अहमदनगर किले में रहने वाली महिला तथा शासिका थी। उसने किले की रक्षा के लिए अकबर की शाही सेना के विरुद्ध अत्यंत साहसपूर्वक युद्ध किया और अपनी सेना का नेतृत्व करती रही। अंत में उसकी हत्या उसके अपने ही एक आदमी ने कर दी।

.....

# 1.ध्वनि

कवि:- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

शब्दार्थ

1. मृदुल:- कोमल
2. पात:- पत्ता
3. गात:- शरीर
4. निंद्रित:- सोया हुआ
5. प्रत्यूष:- प्रात: काल
6. तंद्रालस:- नींद से अलसाया हुआ
7. लालसा:- कुछ पाने की चाह , अभिलाषा

प्रश्नोत्तर

**1. कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा ?**

**उत्तर :-** कवि को ऐसा विश्वास है क्योंकि अभी उसके मन में नया जोश व उमंग है। अभी उसे काफ़ी नवीन कार्य करने है। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहते हैं। उसे युवकों को उत्साहित करने जैसे अनेक कार्य करने हैं तथा स्वयं की रचनाओं तथा कार्यों की खुशबू चारों ओर बिखेरनी है |

**2. फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन - कौन - सा प्रयास करता है ?**

**उत्तर :-** फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि उन्हें कलियों की स्थिति से निकाल कर खिले फूल बनाना चाहता है। कवि का मानना है कि उसके जीवन में वसंत आया हुआ है। इसलिए वह कलियों को हाथों के स्पर्श से खिला देगा। वह फूलों की आँखों से आलस्य हटाकर उन्हें चुस्त व जागरूक करना चाहता है ।

**3. कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है ?**

**उत्तर :-** कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए उन पर अपना हाथ फेरकर उन्हें जगाना चाहता है। वह उनको चुस्त , प्राणवान , आभावान व पुष्पित करना चाहता है। अतः कवि नींद में पड़े युवकों को प्रेरित करके उनमें नए उत्कर्ष के स्वप्न जगा देगा , उनका आलस्य दूर भगा देगा तथा उनमें नये उत्साह का संचार करना चाहता है।

**4. वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है ?**

**उत्तर :-** वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्योंकि यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। इस समय पंचतत्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंचतत्व अर्थात जल , वायु , धरती , आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते हैं। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। आम बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं । सरसों के पीले फूल ऋतुराज के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूली हुई सरसों , पवन के झोंकों से हिलती , ऐसी दिखाई देती है , मानो सामने सोने का सागर लहरा रहा हो। कोयल पंचम स्वर में गाती है और सभी को कुहू-कुहू की आवाज़ से मंत्रमुग्ध करती है। इस ऋतु में उसकी छठा देखते ही बनती है।

**5. वसंत ऋतु में कौन – कौन से त्यौहार मनाए जाते हैं ?**

उत्तर :- इस ऋतु में कई प्रमुख त्यौहार मनाए जाते हैं , जैसे – वसंत पंचमी , महा शिवरात्रि , होली आदि।

**6. 'ध्वनि' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए |**

उत्तर :- 'ध्वनि' कविता मानव को जीवन के प्रति प्रेरणा देती है | इससे विपरीत एवं निराशाजनक परिस्थितियों में भी जीवन से हार न मानने का संदेश तथा जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण प्रकट हुआ है | कवि अपने जीवन तथा संसार में नवजीवन का संचार करने का कार्य संकल्प के रूप में लेता है | उसका मानना है कि अभी तो उसके जीवन में वसंत आया है | उसे बहुत कुछ करना है | उसे युवा वर्ग को रचनात्मक कार्य करने हेतु उत्साहित करना है |

**7. 'ध्वनि' कविता हमें क्या संदेश देती है ?**

उत्तर :- 'ध्वनि' कविता यह संदेश देती है कि जिस प्रकार वसंत ऋतु में चारों ओर फूल खिलकर अपना सौंदर्य बिखेरते हैं और प्राकृतिक सौन्दर्य बढ़ाने में अपना योगदान देती हैं ; उसी प्रकार हमें भी अच्छे कार्य करते हुए समाज तथा राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान देना चाहिए |

## 2. लाख की चूड़ियाँ

लेखक:- कामतानाथ

शब्दार्थ

1. सलाख :- सलाई, धातु की छड़
2. मुंगरी :- गोल , मुठियादार लकड़ी जो ठोकने – पीटने के काम आती है |
3. पैतृक :- पूर्वजों का , पिता से प्राप्त या पुश्तैनी
4. विनिमय :- अदल – बदल , वस्तुओं की अदल – बदल
5. कसर :- घाटा पूरा करना
6. मुखातिब :- देखकर बात करना
7. डलिया :- बाँस का बना एक छोटा पात्र

प्रश्नोत्तर

**1. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था ?**

**उत्तर :-** बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से जाता था क्योंकि लेखक के मामा के गाँव में लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला कारीगर बदलू रहता था। लेखक को बदलू काका से अत्यधिक लगाव था । वह लेखक को ढेर सारी लाख की रंग-बिरंगी गोलियाँ देता था इसलिए लेखक अपने मामा के गाँव चाव से जाता था | गाँव के सभी लोग बदलू को 'बदलू काका' कहकर बुलाते थे इस कारण लेखक भी 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' कहता था।

**2. वस्तु-विनिमय क्या है ? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है ?**

**उत्तर :-** 'वस्तु-विनिमय' में एक वस्तु को दूसरी वस्तु देकर लिया जाता था । वस्तु के लिए पैसे नहीं लिए जाते थे । वस्तु के बदले वस्तु ली-दी जाती थी । किन्तु अब मुद्रा के चलन के कारण वर्तमान परिवेश में वस्तु का लेन-देन मुद्रा के द्वारा होता है। विनिमय की प्रचलित पद्धति पैसा है।

**3. 'मशीनी युग' ने कितने हाथ काट दिए हैं।' – इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है ?**

**उत्तर :-** इस पंक्ति में लेखक ने कारीगरों की व्यथा की ओर संकेत किया है कि मशीनों के आगमन के साथ कारीगरों के हाथ से काम-धंधा छिन गया । मानो उनके हाथ ही कट गए हों । उन कारीगरों का रोजगार इन पैतृक काम धन्धों से ही चलता था । उसके अलावा उन्होंने कभी कुछ नहीं सीखा था। वे पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी इस कला को बढ़ाते चले आ रहे हैं और साथ में रोज़ी रोटी भी चला रहें हैं । परन्तु मशीनी युग ने जहाँ उनकी रोज़ी रोटी पर वार किया है। मशीनों ने लोगों को बेरोजगार बना दिया।

**4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी, जो लेखक से छिपी न रह सकी ?**

**उत्तर :-** बदलू लाख की चूड़ियाँ बेचा करता था परन्तु जैसे-जैसे काँच की चूडियों का प्रचलन बढ़ता गया उसका व्यवसाय ठप पड़ने लगा । अपने व्यवसाय की यह दुर्दशा बदलू को मन ही मन कचौटती थी । बदलू के मन में इस बात कि व्यथा थी कि मशीनी युग के प्रभाव स्वरुप उस जैसे अनेक कारीगरों को बेरोजगारी और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है । अब लोग कारीगरी की कद्र न करके दिखावटी चमक पर अधिक ध्यान देते हैं। यह व्यथा लेखक से छिपी न रह सकी।

**5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया ?**

**उत्तर :-** मशीनी युग से बदलू के जीवन में यह बदलाव आया की बदलू का व्यवसाय बंद हो गया । वह बेरोजगार हो गया । काम न करने से उसका शरीर भी ढल गया, उसके हाथों-माथे पर नसें उभर आईं । अब वह बीमार रहने लगा।

**6. लाख की वस्तुओं का निर्माण भारत के किन-किन राज्यों में होता है ? लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त क्या-क्या चीज़ें बनती है ?**

**उत्तर :-** लाख की वस्तुओं का निर्माण सर्वाधिक उत्तरप्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक आदि राज्यों में होता है । लाख से चूड़ियाँ, मूर्तियाँ, गोलियाँ, आभूषण तथा सजावट की वस्तुओं का निर्माण होता है।

.....

व्याकरण वाक्य विचार [ अर्थ के आधार पर ]

वाक्य :- शब्दों का वह सार्थक समूह , जिससे किसी भाव / विचार को पूर्णत: प्रकट किया जा सके , वाक्य कहलाता है |

वाक्य के प्रकार

वाक्य के दो आधारों पर भेद किए जा सकते हैं :-

1. रचना के आधार पर
2. अर्थ के आधार पर

अर्थ के आधार पर

अर्थ के आधार पर वाक्य को आठ भागों में बाँटा जा सकता है :-

(i) विधानार्थक वाक्य
(ii) निषेधार्थक वाक्य
(iii) इच्छार्थक वाक्य
(iv) प्रश्नार्थक वाक्य
(v) आज्ञार्थक वाक्य
(vi) संकेतार्थक वाक्य
(vii) संदेहार्थक वाक्य
(viii) विस्मयादिबोधक वाक्य

**विधानार्थक वाक्य** :- जिन वाक्यों से क्रिया के करने या होने का सामान्य रूप से बोध हो , वे विधानार्थक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) घोड़ा दौड़ता है |

2) किसान हल चलाता है |

**निषेधार्थक वाक्य** :- जिन वाक्यों में कार्य के न होने का बोध होता है , वे निषेधार्थक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) मैं आज खाना नहीं खाऊंगा |

2) सविता करिश्मा को नहीं जानती है |

**इच्छार्थक वाक्य** :- जिन वाक्यों में वक्ता की इच्छा , कामना , आशीर्वाद आदि का बोध होता है , वे इच्छार्थक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) काश रवि भी हमारे साथ होता |

2) भगवान तुम्हारा भला करे |

**प्रश्नार्थक वाक्य** :- जो वाक्य प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए जाते हैं अर्थात जिन वाक्यों में वक्ता कोई प्रश्न पूछता है , वे प्रश्नार्थक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) क्या तुम कल मेरे घर आओगे ?

2) दरवाजे पर कौन खड़ा है ?

**आज्ञार्थक वाक्य** :- जिन वाक्यों में आज्ञा , आदेश , प्रार्थना , अनुमति आदि के भाव प्रकट किए जाते हैं , वे आज्ञार्थक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) तुम अब कहीं नहीं जाओगे |

2) जाओ , जाकर सो जाओ |

**संकेतार्थक वाक्य** :- जिन वाक्यों में किसी शर्त की ओर संकेत किया गया हो या जिसमें एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर करती हो , वे संकेतार्थक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) यदि वर्षा होगी , तो खेती अच्छी होगी |

2) यदि दवा लोगे , तो जल्दी अच्छे हो जाओगे |

**संदेहार्थक वाक्य** :- जिन वाक्यों में कार्य के होने में संदेह का बोध होता है , वे संदेहार्थक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) शायद वह खाना खा चुका होगा |

2) शायद मैं पढ़ने बैठ जाऊँ |

**विस्मयादिबोधक वाक्य** :- जिन वाक्यों से शोक , घृणा , हर्ष आदि के भाव प्रकट हों , वे विस्मयादिबोधक वाक्य कहलाते हैं |

उदाहरण :- 1) अरे ! तुम ये क्या कर रहे हो ?

2) वाह ! कितना सुंदर दृश्य है |

## अभ्यास कार्य

प्रश्न – 3 नोटबुक में करवाया जाएगा | (पृष्ठ संख्या 178 )

.....

## संधि

परिभाषा :- दो वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार होता है , उसे संधि कहते हैं |

संधि के प्रकार

संधि तीन प्रकार की होती हैं –

(i) स्वर संधि
(ii) व्यंजन संधि
(iii) विसर्ग संधि

स्वर संधि :- दो स्वरों के मेल से होने वाले विकार या परिवर्तन कोस्वर संधि कहते हैं |

स्वर संधि पांच प्रकार की होती हैं :-

1) दीर्घ संधि

2) गुण संधि

3) वृद्धि संधि

4) यण संधि

5) अयादि संधि

**दीर्घ संधि**

देव + अर्चन = देवार्चन

शिव + आलय = शिवालय

गिरि + इंद्र = गिरीन्द्र

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

भू + ऊर्जा = भूर्जा

**गुण संधि**

देव + इंद्र = देवेन्द्र

महा + ईश्वर = महेश्वर

सूर्य + उदय = सूर्योदय

पर + उपकार = परोपकार

राजा + ऋषि = राजर्षि

**वृद्धि संधि**

एक + एक = एकैक

सदा + एव = सदैव

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्या

परम + ओजस्वी = परमौजस्वी

वन + औषध = वनौषध

**यण संधि**

अति + अधिक = अत्यधिक

वि + आप्त = व्याप्त

सु + अच्छ = स्वच्छ

अनु + एषण = अन्वेषण

पितृ + आलय = पित्रालय

**अयादि संधि**

चे + अन = चयन

गै + इका = गायिका

पो + इत्र = पवित्र

नौ + इक = नाविक

पौ + अक = पावक

2 . **व्यंजन संधि** :- व्यंजन के बाद किसी स्वर या व्यंजन के आने से उस व्यंजन में जो परिवर्तन होता है , वह व्यंजन संधि कहलाता है |

उदाहरण :- दिक् + विजय = दिग्विजय

उत + गम = उदगम

तत + भव = तदभव

सत् + आचार = सदाचार

जगत् + अंबा = जगदंबा

3 . **विसर्ग संधि** :- विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन के आने से विसर्ग के स्थान पर जो विकार होता है , उसे विसर्ग संधि कहते हैं |

उदाहरण :- मनः + अनुकूल = मनोनुकूल

निः + अर्थक = निर्थक

दुः + चक्र = दुश्चक्र

अंत: + करण = अंत:करण

यश: + स्वी = यशस्वी

अभ्यास कार्य

प्रश्न – 2 , 3 नोटबुक में करवाया जाएगा |

.....

## अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- पृष्ठ संख्या 229

बचपन में बालक अबोध होता है | उसे .....ग्रन्थ की रचना कर सके |

.....

## अनुच्छेद लेखन

1 . भारत के राष्ट्रीय पर्व

संकेत बिंदु :- प्रस्तावना , पर्वों का उद्देश्य , मुख्य पर्व , मनाने का औचित्य , उपसंहार |

अभ्यास हेतु

2 . परोपकार

संकेत बिंदु :- प्रस्तावना , परोपकार का अर्थ , मनुष्य होने का अर्थ , विभिन्न उदाहरण , उपसंहार |

3 . कम्प्यूटर का युग

संकेत बिंदु :- भूमिका , महत्त्वपूर्ण उपकरण , कंप्यूटर कल्पवृक्ष की भांति , विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग , उपसंहार |

# 10.कामचोर

## लेखक :- इस्मत चुगताई

**शब्दार्थ**

1) दबैल - दब्बू
2) फरमान - राजाज्ञा
3) कुमुक - सेना
4) मोरी - नाली
5) दालान - बरामदा
6) मिसाल - उदाहरण
7) बटालियन - पलटन
8) लापरवाह - असावधान

**प्रश्नोत्तर**

**प्रश्न 1. कहानी में मोटे-मोटे किस काम के हैं? किन के बारे में और क्यों कहा गया ?**

उत्तर:- कहानी में 'मोटे-मोटे किस काम के हैं' बच्चों के बारे में कहा गया है क्योंकि वे घर के कामकाज में जरा सी भी मदद नहीं करते थे तथा दिन भर ऊधम मचाते रहते थे। वे काम को हाथ लगाना तो दूर उठकर पानी भी नहीं पीते थे | इस तरह से ये कामचोर हो गए थे।

**प्रश्न 2. बच्चों के ऊधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई ?**

उत्तर:- बच्चों के ऊधम मचाने से घर अस्त-व्यस्त हो गया। मटके-सुराहियाँ इधर-उधर लुढक गए। घर के सारे बर्तन अस्त-व्यस्त हो गए। पशु-पक्षी इधर-उधर भागने लगे। घर में धूल, मिट्टी और कीचड़ का ढ़ेर लग गया। मटर की सब्जी बनने से पहले भेड़ें खा गईं। मुर्गे-मुर्गियों के कारण कपड़े गंदे हो गए। इस वजह से पारिवारिक शांति भी भंग हो गई। अम्मा ने तो घर छोड़ने का भी फैसला ले लिया।

**प्रश्न 3."या तो बच्चाराज कायम कर लो या मुझे ही रख लो।"अम्मा ने कब कहा ? और इसका परिणाम क्या हुआ ?**

उत्तर:- अम्मा ने बच्चों द्वारा किए गए घर की हालत को देखकर ऐसा कहा था। जब पिताजी ने बच्चों को घर के काम काज में हाथ बँटाने को कहा तब उन्होंने इसके विपरीत सारे घर को तहस-नहस कर दिया। जिससे अम्मा जी बहुत परेशान हो गई थीं। इसका परिणाम ये हुआ कि पिताजी ने घर की किसी भी चीज़ को बच्चों को हाथ ना लगाने की हिदायत दे डाली। अगर किसी ने घर का काम किया तो उसे रात का खाना नहीं दिया जाएगा।

**प्रश्न 4. 'कामचोर' कहानी क्या संदेश देती है ?**

उत्तर:- यह एक हास्यप्रधान कहानी है। यह कहानी संदेश देती है की बच्चों को घर के कामों से अनभिज्ञ नहीं होना चाहिए। उन्हें उनके स्वभाव के अनुसार, उम्र और रूचि ध्यान में रखते हुए काम कराना चाहिए। जिससे बचपन से ही उनमें काम के प्रति लगन तथा रूचि उत्पन्न हो न कि ऊब।

**प्रश्न 5. क्या बच्चों ने उचित निर्णय लिया कि अब चाहे कुछ भी हो जाए, हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे ?**
उत्तर:- बच्चों द्वारा लिया गया निर्णय उचित नहीं था क्योंकि स्वयं हिलकर पानी न पीने का निश्चय उन्हें और भी कामचोर बना देगा। वे कभी-भी कोई काम करना सीख ही नहीं पाएँगें। बच्चों को काम तो करना चाहिए पर समझदारी के साथ। बड़ों को उनको काम सिखाना चाहिए और आवश्यकता अनुसार मार्गदर्शन देना चाहिए |

**प्रश्न 6. भरा-पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है और कैसे दुखद ? 'कामचोर' कहानी के आधार पर लिखिए।**

उत्तर:- भरा-पूरा परिवार तब सुखद बन सकता है जब सब मिल-जुलकर कार्य करें व दुखद तब बनता है जब सब स्वार्थ भावना से कार्य करें। कामों के क्षमतानुसार विभाजित करने से इस कहानी जैसी दुखद स्थिति से बचा जा सकता है। कार्यों को बाँटने से किसी दूसरे को काम करने के लिए कहने की जरुरत नहीं होगी और तनाव भी उत्पन्न नहीं होगा।

**प्रश्न 7. बड़े होते बच्चे किस प्रकार माता-पिता के सहयोगी हो सकते हैं और किस प्रकार भार ? कामचोर कहानी के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।**

उत्तर:- बडे होते बच्चे यदि माता-पिता को छोटे-मोटे कार्यों में मदद करें तो वे उनके सहयोगी हो सकते हैं जैसे अपना कार्य स्वयं करें,अपने-आप स्कूल के लिए तैयार हो जाएँ, अपने खाने के बर्तन यथा सम्भव स्थान पर रख आएँ, अपने कमरे को सहज कर रखें।
यदि हम बच्चों को उनका कार्य करने की सीख नहीं देते तो वह सहयोग के स्थान पर माता-पिता के लिए भार ही साबित होंगे। उनके बड़े होने पर उनसे कोई कार्य कराया जाएगा तो वह उस कार्य को भली-भांति करने के स्थान पर तहस-नहस ही कर देंगे, जैसे की कामचोर लेख पर बच्चों ने सारे घर का हाल कर दिया था। इसलिए माता-पिता को बच्चों को उनके स्वभाव के अनुसार, उम्र और रूचि ध्यान में रखते हुए काम कराना चाहिए। जिससे बचपन से ही उनमें काम के प्रति लगन तथा रूचि उत्पन्न हो न कि ऊब। और उनके सहयोगी हो सके।

---

## 12. सुदामा चरित

**कवि :- नरोत्तमदास**

**शब्दार्थ**

1) पगा - पगड़ी
2) उपानह - जूता
3) अभिरामा - सुंदर

4) महावत - हाथीवान
5) धाम - भवन
6) सो – वह
7) हेतु – कारण
8) बान – आदत

**प्रश्नोत्तर**

**प्रश्न 1. सुदामा की दीनदशा देखकर श्रीकृष्ण की क्या मनोदशा हुई ? अपने शब्दों में लिखिए।**

उत्तर:- सुदामा की दीनदशा को देखकर दुख के कारण श्री कृष्ण की आँखों से अश्रुधारा बहने लगी। उन्होंने सुदामा के पैरों को धोने के लिए पानी मँगवाया। परन्तु उनकी आँखों से इतने आँसू निकले की उन्ही आँसुओं से सुदामा के पैर धुल गए।

**प्रश्न 2. "पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सों पग धोए।" पंक्ति में वर्णित भाव का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।**

उत्तर:- प्रस्तुत दोहे में यह कहा गया है कि जब सुदामा दीन-हीन अवस्था में कृष्ण के पास पहुँचे तो कृष्ण उन्हें देखकर व्यथित हो उठे। श्रीकृष्ण ने सुदामा के आगमन पर उनके पैरों को धोने के लिए परात में पानी मँगवाया परन्तु सुदामा की दुर्दशा देखकर श्रीकृष्ण को इतना कष्ट हुआ कि वे स्वयं रो पड़े और उनके आँसुओं से ही सुदामा के पैर धुल गए। अर्थात् परात में लाया गया जल व्यर्थ हो गया।

**प्रश्न 3. "चोरी की बान में हौ जू प्रवीने।"**
**(क) उपर्युक्त पंक्ति कौन, किससे कह रहा है?**
**(ख) इस कथन की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।**
**(ग) इस उपालंभ (शिकायत) के पीछे कौन-सी पौराणिक कथा है ?**

उत्तर:- (क) उपर्युक्त पंक्ति श्रीकृष्ण अपने बालसखा सुदामा से कह रहे हैं।
(ख) अपनी पत्नी द्वारा दिए गए चावल संकोचवश सुदामा श्रीकृष्ण को भेंट स्वरूप नहीं दे पा रहे हैं। परन्तु श्रीकृष्ण सुदामा पर दोषारोपण करते हुए इसे चोरी कहते हैं और कहते हैं कि चोरी में तो तुम पहले से ही निपुण हो।
(ग) बचपन में जब कृष्ण और सुदामा साथ-साथ संदीपन ऋषि के आश्रम में अपनी-अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। तभी एक बार जब श्रीकृष्ण और सुदामा जंगल में लकड़ियाँ एकत्र करने जा रहे थे तब गुरूमाता ने उन्हें रास्ते में खाने के लिए चने दिए थे। सुदामा श्रीकृष्ण को बिना बताए चोरी से चने खा लेते हैं। श्रीकृष्ण उसी चोरी का उपालंभ सुदामा को देते हैं।

**प्रश्न 4. द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा मार्ग में क्या-क्या सोचते जा रहे थे ? वह कृष्ण के व्यवहार से क्यों खीझ रहे थे ? सुदामा के मन की दुविधा को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए।**

उत्तर:- द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा का मन बहुत दुखी था। वे कृष्ण द्वारा अपने प्रति किए गए व्यवहार के बारे में सोच रहे थे कि जब वे कृष्ण के पास पहुँचे तो कृष्ण ने आनन्द पूर्वक उनका आतिथ्य सत्कार किया था। क्या वह सब दिखावटी था? वे कृष्ण के व्यवहार से खीझ रहे थे क्योंकि उन्हें आशा थी कि श्रीकृष्ण उनकी दरिद्रता दूर करने के लिए धन-दौलत देकर विदा करेंगे परंतु श्रीकृष्ण ने उन्हें चोरी की उलहाना देकर खाली हाथ ही वापस भेज दिया।

**प्रश्न 5. अपने गाँव लौटकर जब सुदामा अपनी झोंपड़ी नहीं खोज पाए तब उनके मन में क्या-क्या विचार आए ? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर:- द्वारका से लौटकर सुदामा जब अपने गाँव वापस आएँ तो अपनी झोंपड़ी के स्थान पर बड़े-बड़े भव्य महलों को देखकर सबसे पहले तो उनका मन भ्रमित हो गया कि कहीं मैं घूम फिर कर वापस द्वारका ही तो नहीं चला आया। फिर भी उन्होंने पूरा गाँव छानते हुए सबसे पूछा लेकिन उन्हें अपनी झोंपड़ी नहीं मिली।

**प्रश्न 6. निर्धनता के बाद मिलनेवाली संपन्नता का चित्रण कविता की अंतिम पंक्तियों में वर्णित है। उसे अपने शब्दों में लिखिए।**

उत्तर:- श्रीकृष्ण की कृपा से निर्धन सुदामा की दरिद्रता दूर हो गई। जहाँ सुदामा की टूटी-फूटी सी झोपड़ी रहा करती थी, वहाँ अब सोने का महल खड़ा है। कहाँ पहले पैरों में पहनने के लिए चप्पल तक नहीं थी, वहाँ अब घूमने के लिए हाथी घोड़े हैं, पहले सोने के लिए केवल यह कठोर भूमि थी और अब शानदार नरम-मुलायम बिस्तरों का इंतजाम है, कहाँ पहले खाने के लिए चावल भी नहीं मिलते थे और आज प्रभु की कृपा से खाने को मनचाही चीज उपलब्ध है।